www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 40.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 98.700g

चांदी 106.000 kg

2 पश्चिम एशिया में नई चुनौती, ईरान-इजरायल युद्ध में भारत को अपनाने होंगे कूटनीतिक विकल्प

अमेरिका में नो किंग्स रैली, गोलीबारी में 1 की मौत 06

वर्ष :17 | अंक :76 | प्रयागराज ,मंगलवार , 17 जून , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेशी बनकर भारत में रह रहा था पाकिस्तानी, ईडी की जांच में खुला राज

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक पाकिस्तानी नागरिक अहमद हुसैन आजाद उर्फ आजाद मलिक के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है, जो वर्षों से कोलकाता में रह रहा था और बांग्लादेशियों को भारतीय पहचान पत्र उपलब्ध कराने का फर्जी रैकेट चला रहा था। ईडी ने एक बयान में कहा कि आजाद भारत और बांग्लादेश के बीच अवैध सीमा पार धन प्रेषण की सुविधा के लिए हवाला नेटवर्क संचालित करता था, जो नकद और यूपीआई में भुगतान एकत्र करता था, तथा उसके बाद बीकेश जैसे प्लेटफार्मों का उपयोग करके बांग्लादेश में बराबर राशि स्थानांतरित करता था। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आरोप पत्र 13 जून को कोलकाता की एक विशेष अदालत में दाखिल किया गया था। अदालत ने पहले ही इसका संज्ञान ले लिया है।ईडी की जांच पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा विदेशी अधिनियम, 1946 की धारा 14 और 14ए के तहत आजाद और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी (एफआईआर) पर आधारित है।

जल्द आगे बढ़ेगा मॉनसून, मिल रही अच्छी परिस्थितियां, आईएमडी ने दी जानकारी

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने गुजरात, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और बिहार तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ और इलाकों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने की जानकारी दी है। मौसम विभाग ने सोमवार को बताया कि अब मॉनसून के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई है। मानसून 16 जून तक सक्रिय अवस्था में रह सकता है। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत और कोंकण एवं गोवा में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और अत्यंत भारी वर्षा (20 सेमी से अधिक) होने की संभावना है। यह मध्य अरब सागर, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तरी अरब सागर और गुजरात के शेष भागों की ओर बढ़ गया। मानसून की उत्तरी सीमा वेरावल, भावनगर, वडोदरा, खरगोन, अमरावती, दुर्ग, बरगढ़, चांदबली, संधेल द्वीप और बालुरघाट से होकर गुजरी है। पिछले सप्ताह एक पखवाड़े के अंतराल के बाद मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हो गई है। इसका मुख्य कारण कमजोर प्रवाह और उत्तर-पश्चिम से शुष्क हवा का प्रवेश था। आईएमडी के महानिदेशक एम. महापात्रा ने शुक्रवार को कहा कि इस सप्ताह बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बनने की उम्मीद है

दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा भारत : बिजनेस मीट में बोले पीएम मोदी

साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित हुए पीएम मोदी

बिजनेस मीट

भारत ने एक उल्लेखनीय डिजिटल क्रांति की है, जिसमें यूपीआई वैश्विक स्तर पर सभी डिजिटल लेनदेन का 50 फीसदी हिस्सा है। पीएम मोदी ने इस दौरान फ्रांस के साथ अपनाए गए मॉडल के अनुरूप साइप्रस में भी यूपीआई सेवाएं विस्तारित करने पर चर्चा का स्वागत किया। साइप्रस को इसमें शामिल करने के लिए बातचीत जारी है। मैं इसका स्वागत करता हूं।

एजेंसी

नयी दिल्ली। साइप्रस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सोमवार को यहां साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अलंकृत किया गया। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने राष्ट्रपति महल में प्रधानमंत्री श्री मोदी का स्वागत किया और द्विपक्षीय बैठक के बाद एक संक्षिप्त समारोह में साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान दि ग्रांड क्रॉस ऑफ दि ऑर्डर ऑफ मकारियोस-3 से अलंकृत किया।इस मौके पर ढट मोदी ने कहा कि यह किसी नरेन्द्र मोदी का नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है और वह भारत के नागरिकों की ओर से पूरी विनम्रता से इस सम्मान को स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने भारत एवं साइप्रस के बीच संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने पर भी बल दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने साइप्रस की कंपनियों के लिए देश में उपलब्ध असंख्य आर्थिक अवसरों का उल्लेख भी किया। मोदी तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में साइप्रस पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ रविवार को निकोसिया में व्यापारिक गोलमेज बैठक में हिस्सा लिया।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने को अग्रसर भारत

मोदी ने कहा, भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हमने कर सुधार, वस्तु एवं सेवा कर, युक्तिसंगत कॉर्पोरेट कर, गैर-अपराधीकरण कानूनों को लागू किया है और व्यापार करने में सुगमता के साथ-साथ व्यापार करने के भरोसे पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। बयान के अनुसार, मोदी ने कहा कि भारत के नागर विमानन, बंदरगाह, जहाज निर्माण, डिजिटल भुगतान और हरित विकास क्षेत्रों में लगातार वृद्धि ने साइप्रस की कंपनियों के लिए भारत के साथ साझेदारी करने के असंख्य अवसर खोले हैं।

साइप्रस भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार- प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने साथ ही कहा कि साइप्रस भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार है, विशेष रूप से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के क्षेत्र में.. उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में नए निवेश के लिए साइप्रस की गहरी रुचि का स्वागत किया। मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों में विकास की अपार संभावनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि साइप्रस लंबे समय से भारत का एक विश्वसनीय साझेदार रहा है।

पिछले 11 वर्षों में भारत में हुए तेज आर्थिक बदलाव

विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में जारी एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने पिछले 11 वर्षों में भारत में हुए तेज आर्थिक बदलावों का उल्लेख किया और कहा कि अगली पीढ़ी के सुधारों, नीतिगत पूर्वानुमेयता, स्थिर राजनीति एवं व्यापार में आसानी से देश, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है।नवाचार, डिजिटल क्रांति, स्टार्ट-अप और भविष्योन्मुखी बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दिए जाने पर जोर देते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया।

पूर्व सीएम विजय रूपाणी का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

दी गई 21 तोपों की सलामी, अमित शाह भी रहे मौजूद

अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की मौत हो गई, जिससे राजनीतिक बिरादरी सदमे में है। गुजरात की राजनीति के दिग्गज विजय रूपाणी ने 1987 में राजकोट नगर निगम में पार्षद के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी।

एजेंसी

गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी को 21 तोपों की सलामी दी गई। पूर्व सीएम का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत भी मौजूद रहे। अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की मौत हो गई, जिससे राजनीतिक बिरादरी सदमे में है। गुजरात की राजनीति के दिग्गज विजय रूपाणी ने 1987 में राजकोट नगर निगम में पार्षद के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी। साधारण शुरूआत से, वे लगातार आगे बढ़ते गए - राजकोट के मेयर, राज्यसभा सांसद, गुजरात भाजपा के अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री और अंततः 2016 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने राजकोट में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के अंतिम संस्कार से पहले उन्हें श्रद्धांजलि दी। महिलाओं समेत कई लोगों ने नम आंखों से रूपाणी (68) को अंतिम विदाई देते हुए फूल बरसाए और हाथ जोड़े। उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। अंतिम यात्रा उनके घर से अंतिम संस्कार स्थल तक छह किलोमीटर की दूरी तय करके पहुंची। गुजरात सरकार ने रूपाणी की स्मृति में आज एक दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। गुजरात में भी रूपाणी ने भाजपा को 182 में से 156 सीटें जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे 1995 से राज्य में पार्टी की पकड़ मजबूत हुई।

जनगणना के लिए अधिसूचना जारी, दो चरणों में होगी गिनती

सरकार ने जारी किया नोटिफेकशन

गृह मंत्रालय ने कहा कि जनगणना मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग करके डिजिटल माध्यमों से की जाएगी, जहाँ लोगों को स्व-गणना का प्रावधान भी उपलब्ध कराया जाएगा।

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने देश में आगामी जनगणना कराने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश को छोड़कर देश भर में जनगणना की संदर्भ तिथि एक मार्च 2027 होगी जबकि बर्फबारी से प्रभावित जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश मैं संदर्भ तिथि एक अक्टूबर 2026 रहेगी। इस बार जनगणना में जाति गणना भी की जाएगी।उल्लेखनीय है कि गृह मंत्री अमित शाह ने अधिसूचना जारी किये जाने से एक दिन पहले रविवार को केंद्रीय गृह सचिव, महापंजीयक और जनगणना आयुक्त तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आगामी जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की थी। गृह मंत्रालय के अनुसार जनगणना दो चरणों में की जाएगी। पहले चरण यानी घरों की सूची तैयार करने के ऑपरेशन (एचएलओ) में प्रत्येक घर की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं का विवरण एकत्र किया जाएगा। इसके बाद, दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना (पीई) में प्रत्येक घर में प्रत्येक व्यक्ति की जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य जानकारी एकत्र की जाएगी।

मल्लिकार्जुन खड़गे का आरोप, मनरेगा का खर्च रोकने की कोशिश कर रही केंद्र सरकार

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सीमा पार हो जाने पर क्या होगा? क्या राज्य बावजूद रोजगार देने से इनकार करने के लिए मजबूर होंगे, या श्रमिकों को समय पर भुगतान के बिना काम करना होगा?

एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार मनरेगा को नष्ट करने की कोशिश कर रही है और इस योजना के कार्यान्वयन में कटौती करना संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार गरीबों की जीवन-रेखा मनरेगा को तड़पा-तड़पा कर खत्म करने की कवायद में जुटी है। मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60% तय कर दी है।

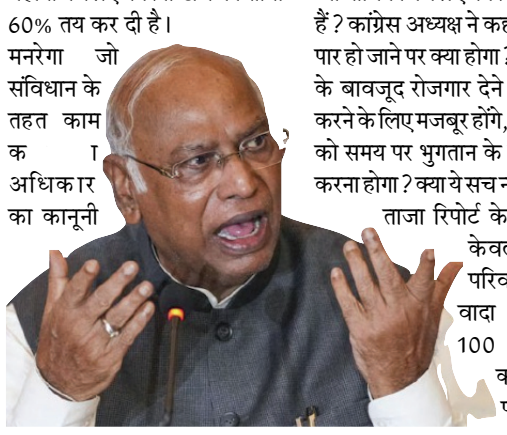

मनरेगा जो संविधान के तहत काम का अधिकार का कानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, उसमें कटौती करना संविधान के खिलाफ अपराध है।खड़गे ने सवाल करते हुए कहा कि क्या ऐसा मोदी सरकार केवल इसलिए कर रही है क्योंकि वो गरीबों की जेब से करीब ?25,000 करोड़ छीनना चाहती है, जो कि हर साल, साल के अंत तक, ज्यादा होने पर उसे अगले वित्तीय वर्ष में अलग से खर्च करने पड़ते हैं? उन्होंने दूसरा सवाल किया कि चूंकि मनरेगा एक योजना है, इसलिए यदि आपदाओं या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में पहली छमाही के दौरान मांग में की वृद्धि होती है, तो क्या होगा? क्या ऐसी सीमा लागू करने से उन गरीबों को नुकसान नहीं होगा जो अपनी आजीविका के लिए मनरेगा पर निर्भर हैं? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सीमा पार हो जाने पर क्या होगा? क्या राज्य के बावजूद रोजगार देने से इनकार करने के लिए मजबूर होंगे, या श्रमिकों को समय पर भुगतान के बिना काम करना होगा? क्या ये सच नहीं कि एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, केवल 7% परिवारों को वादा किए गए 100 दिन का काम मिल पाया है?

हरियाणा की मॉडल सिम्मी चौधरी का मर्डर

सोनीपत के नहर में मिली लाश, गला रेतकर की गई हत्या

एजेंसी

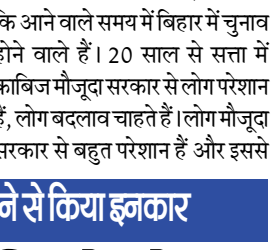

सोनीपत : हरियाणा के सोनीपत में उस समय सनसनी फैल गई जब गांव खांडा से गुजर रही रिलायंस नहर में एक युवती का शव बहता हुआ मिला. युवती के शव को जब बाहर निकाला गया तो युवती की हत्या गला रेतकर की गई थी और युवती की पहचान पानीपत के खलीला माजरा गांव की शीतल उर्फ सिम्मी चौधरी के तौर पर हुई है. सिम्मी चौधरी हरियाणवी म्यूजिक इंडस्ट्री में मॉडल के तौर पर काम करती थी. डेड बॉडी बरामद हो जाने के बाद उसके परिजनों और पानीपत पुलिस को इसकी सूचना दे दी गई है और पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है सिम्मी चौधरी की मिली लाश : सोनीपत के गांव खांडा से गुजरने वाली रिलायंस नहर में एक युवती का शव पुलिस को बरामद हुआ था

'मुख्यमंत्री बेहोशी की हालत में, लोग बदलाव चाहते हैं'

तेजस्वी का सीएम नीतीश पर तीखा हमला

तेजस्वी यादव ने कहा कि आने वाले समय में बिहार में चुनाव होने वाले हैं। 20 साल से सत्ता में काबिज मौजूदा सरकार से लोग परेशान हैं, लोग बदलाव चाहते हैं। लोग मौजूदा सरकार से बहुत परेशान हैं और इससे छुटकारा चाहते हैं। मुख्यमंत्री बेहोशी की हालत में हैं। हमारे पास नई सोच है।

एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव में बस कुछ ही महीने बचे हैं। ऐसे में आरजेडी नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने सोमवार को एक नया डिजिटल प्लेटफॉर्म - - लॉन्च किया और लोगों से नया बिहार बनाने के लिए एक साथ आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक इस 'डिजिटल फोर्स' पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन काम करेंगे। हम इसे लोगों तक ले जाएंगे। हमारे साथ जुड़ें और एक नया बिहार बनाएं। इसके साथ ही उन्होंने बिहार सरकार और सीएम नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा।तेजस्वी यादव ने कहा कि आने वाले समय में बिहार में चुनाव होने वाले हैं। 20 साल से सत्ता में काबिज मौजूदा सरकार से लोग परेशान हैं, लोग बदलाव चाहते हैं। लोग मौजूदा सरकार से बहुत परेशान हैं और इससे छुटकारा चाहते हैं। मुख्यमंत्री बेहोशी की हालत में हैं। हमारे पास नई सोच है। हमें नया बिहार बनाना है और बिहार को तेजी से आगे ले जाना है। हम सकारात्मक राजनीति करना चाहते हैं, मुद्दों की राजनीति करना चाहते हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि इस बार बिहार की जनता इस सरकार को उखाड़ फेंकेगी। हमारे पास एक विजन है, एक रोडमैप है... लोग आरजेडी से जुड़ना चाहते हैं। 'लेट्स मेक बिहार बेटर' पोर्टल के लॉन्च पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि कोई भी व्यक्ति जो पार्टी और उसकी विचारधारा के लिए स्वेच्छा से काम करना चाहता है।

अमरोहा की पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, पांच महिलाओं की दर्दनाक मौत

मजदूर के बच्चे ने जला दी थी फुलझड़ी, उसी से हुए एक के बाद कई धमाके. 12 अन्य घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

एजेंसी

अमरोहाः यूपी के अमरोहा के अतरासी में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से पूरा इलाका दहल गया. धमाके इतने तेज थे कि पांच महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य घायल हो गए. वहीं सूचना मिलते ही पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया. फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. बता दें कि रजबपुर थाना क्षेत्र के अतरासी में स्थित पटाखा फैक्ट्री जो कि गांव से करीब ढाई किलोमीटर दूर जंगल में संचालित है. फैक्ट्री में दोपहर के समय 25 महिला और पुरुष कम कर रहे थे. इसी दौरान किसी मजदूर के बच्चे ने फुलझड़ी जला दी इसके बाद वहां रखे पटाखे और बारूद में आग लग गई. करीब 15 मिनट तक ब्लास्ट होता रहा.

इनकार कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना का राजनीतिकरण करने से किया इनकार

बीजेपी और जेडीएस के स्तर तक नहीं गिरेंगे...

एजेंसी

नयी दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेक्युलर) पर 'लाशों पर राजनीति' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी अहमदाबाद विमान दुर्घटना का राजनीतिकरण नहीं करेगी। शिवकुमार ने अपने सदाशिवनगर स्थित आवास पर संवाददाताओं से कहा, ₹इस तरह की घटना किसी भी देश में नहीं होनी चाहिए...मैं इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि हम भाजपा और जेडीएस की तरह नीचे नहीं गिरेंगे और अहमदाबाद विमान दुर्घटना का राजनीतिकरण करने की कोशिश नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह की विमान दुर्घटनाएं दुनिया में कहीं भी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि इससे बीजे मेडिकल कॉलेज के कई छात्र अपने साथियों की मौत देखकर सदमे में हैं। शिवकुमार ने कहा कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना जैसी त्रासदी दुनिया में कहीं नहीं होनी चाहिए। दुर्घटनास्थल को देखना विनाशकारी है। यदि विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले 500 मीटर और आगे बढ़ जाता तो हजारों लोग मारे जाते। दुर्भाग्य से, इस दुर्घटना में मेडिकल कॉलेज के कई छात्र मारे गए और कई लोग सदमे में हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने कुछ घायलों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। जब उनसे पूछा गया कि क्या केंद्रीय विमानन मंत्री राम मोहन नायडू की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जा रहे हैं, तो उन्होंने नायडू की आलोचना करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना के कई तकनीकी पहलू थे।

शिवकुमार ने कहा हम शवों पर राजनीति करने से इनकार करते हैं। हम बहुत सी चीजों के बारे में बात कर सकते हैं, इसकी तुलना अतीत में चीजों को कैसे संभाला गया था, लेकिन हम उनके स्तर तक गिरना नहीं चाहते हैं। इस दुर्घटना के कई तकनीकी पहलू हैं। मैं कोई विशेषज्ञ नहीं हूं, और मैं इस समय केंद्रीय विमानन मंत्री की आलोचना नहीं करूंगा। कुमारस्वामी के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि राज्य सरकार द्वारा एकत्र किए जा रहे करों की मात्रा को देखते हुए उन्होंने गृहलक्ष्मी के तहत 5,000 रुपये दिए होते, उन्होंने कहा कि यह सुनकर खुशी हुई, उन्हें जल्द ही ठीक होने दें।

शिवकुमार ने कहा कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना जैसी त्रासदी दुनिया में कहीं नहीं होनी चाहिए। दुर्घटनास्थल को देखना विनाशकारी है। यदि विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले 500 मीटर और आगे बढ़ जाता तो हजारों लोग मारे जाते। दुर्भाग्य से, इस दुर्घटना में मेडिकल कॉलेज के कई छात्र मारे गए और कई लोग सदमे में हैं।

हमेशा ओबीसी को धोखा दिया, भूपेंद्र यादव का कांग्रेस पर तीखा हमला

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनता पार्टी के जाने के बाद भी मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू नहीं हुई। जब देश से दोबारा कांग्रेस की सत्ता गई, तब मंडल कमीशन लागू हुआ।

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र द्वारा सोमवार को 2027 में जाति गणना के साथ भारत की 16वीं जनगणना आयोजित करने की अधिसूचना जारी करने के बाद, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस के मन में कभी सच्चाई रही होती, तो काका कालेलकर कमीशन की रिपोर्ट आने के बाद कांग्रेस ने कोई दूसरा कमीशन ही नहीं बनाया। देश से जब कांग्रेस की सत्ता गई तब मंडल कमीशन को बनाया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनता पार्टी के जाने के बाद भी मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू नहीं हुई। जब देश से दोबारा कांग्रेस की सत्ता गई, तब मंडल कमीशन लागू हुआ। मंडल आयोग वैधानिकता को सर्वोच्च न्यायालय ने जब स्वीकार किया, तो ओबीसी कमीशन को दंतविहीन बनाने का काम कांग्रेस ने किया। 2014 में जब देश से कांग्रेस की सत्ता गई और श्री नरेन्द्र मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने तब ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला। भाजपा नेता ने कहा कि कर्नाटक में एक बार फिर कांग्रेस के धोखे का उदाहरण देखने को मिला। वो दिखाता है कि कांग्रेस के लिए सोशल जस्टिस दिखावा है, प्रतिबद्धता नहीं है। ओबीसी समाज को झांसे में लाना कांग्रेस की नीति है, न्याय देना उनका काम नहीं है।

सम्पादकीय

एआई में कुशलता की जरूरी राह, सबसे बड़ी आर्थिकी बनाने में अहम भूमिका

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेरिस में गत दिनों आयोजित एआइ एक्शन शिखर सम्मेलन 2025 की सह-अध्यक्षता करते हुए कहा था कि यद्यपि दुनिया में यह आशंका है कि एआइ की वजह से नौकरियां खत्म होंगी लेकिन इतिहास गवाह है कि प्रौद्योगिकी के कारण नौकरियां खत्म नहीं होतीं बल्कि उनकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां सृजित होती हैं।इन दिनों विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि भारत के तेज आर्थिक विकास में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) की भूमिका प्रभावी होने वाली है।इसके साथ-साथ भारतीय एआइ पेशेवरों की जरूरत भी देश और दुनिया में तेजी से बढ़ रही है। हाल में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक तरह से इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुताबिक एआइ को अपनाने वाले उद्योग भारत को 2028 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। इसी तरह केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं आइटी मंत्रालय की ह्यभारत की एआइ क्रांति, विकसित भारत के लिए एक रोडमैपह्ण नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2047 तक भारत को 23-25 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर की अर्थव्यवस्था बनाने में देश के एआइ पेशेवरों की अहम भूमिका होगी। सरकार का अनुमान है कि इसके लिए देश को अगले साल तक करीब 10 लाख एआइ पेशेवरों की जरूरत होगी। इसके अलावा गूगल की ह्यएआइ अवसर एजेंडा नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि ह्यइस समय तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, तकनीकी प्रतिभा और जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम के चलते भारत एआइ से लाभान्वित होने की बेहतर स्थिति में है। भारत में एआइ प्रौद्योगिकी को अपनाए जाने से उत्पादकता में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। उद्योग, कृषि, स्वास्थ्य, सेवा एवं अन्य क्षेत्रों में एआइ के अधिक उपयोग से भारत को 2030 तक 33.8 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक लाभ हो सकता है। ऐसे में एआइ के प्रति एक व्यापक और जिम्मेदार दृष्टिकोण भारत में आर्थिक और सामाजिक प्रगति को संभव बना सकता है। वहीं ओपन एआइ के सीईओ सैम आल्टमैन के मुताबिक एआइ के लिए दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई के मुताबिक भारत एआइ के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। माइक्रोसाफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के मुताबिक भारत की गणित में दक्ष नई पीढ़ी के लिए एआइ के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारत की नई पीढ़ी एआइ के क्षेत्र में लगातार अपना योगदान बढ़ा रही है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि एआइ में कुशल कार्यबल के सरल और किफायती रूप से उपलब्ध होने के कारण भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों का आगमन तेजी से बढ़ा है। इसके कारण देश का सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है।

आज का विचार

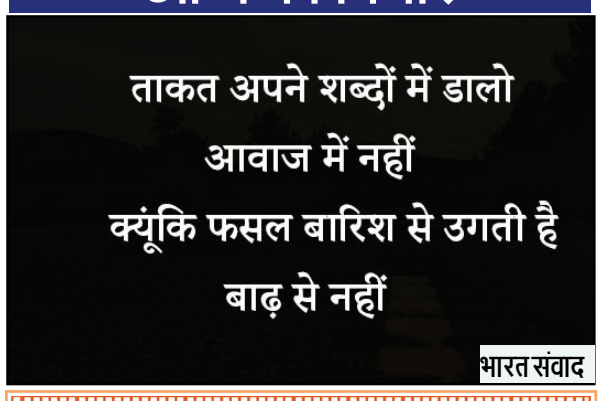

राशिफल

मेष राशि: आप अपने कुछ लंबित कार्यों को लेकर सुबह से ही व्यस्त रहेंगे, जिसकी वजह से भाग दौड़ भी करनी पड़ सकती है. कार्यक्षेत्र में आपको एक से अधिक स्त्रोतों से धन की प्राप्ति होगी, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी..

वृषभ राशि: आज आपकी मुलाकात किसी अजनबी से होगी, जो भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे. लव लाइफ वाले लोग अपने लव पार्टनर के लिए कोई नया काम शुरू कर सकते हैं. किसी नए काम में आपकी रुचि जागृत होगी और आप अपनी छुपी हुई प्रतिभा को भी सामने लाएंगे.

मिथुन राशि: यदि आपका कोई संपत्ति संबंधी विवाद कानून में चल रहा है तो उसमें आपको जीत मिल सकती है और आप परिवार के किसी सदस्य की मदद भी आसानी से कर पाएंगे. नौकरी पेशा जातकों को आज किसी दूसरी कंपनी से अच्छी आमदनी साथ ऑफर मिल सकता है.

कर्क राशि: जीवनसाथी के स्वास्थ्य में अचानक गिरावट के कारण चिंता रहेगी और आपको भाग दौड़ भी करनी पड़ सकती है. अगर आप किसी समारोह में शामिल हों तो बहुत सोच-समझकर बोलें, अन्यथा लोग आपके बारे में बुरा सोच सकते हैं.

सिंह राशि : नौकरीपेशा जातकों के करियर में अच्छी उन्नति होगी और प्रमोशन की सूचना भी मिलेगी. जो लोग विदेश से आयात-निर्यात का कारोबार कर रहे हैं, उन्हें आज कोई बड़ी डील फाइनल करने का मौका मिलेगा.

कन्या राशि : आपके कुछ अनावश्यक खर्चे आपके लिए परेशानी ला सकते हैं. कार्यक्षेत्र में कुछ शत्रुओं की चालों को समझना होगा और अपनी चतुर बुद्धि से उन्हें परास्त करना होगा. अगर आप आर्थिक स्थिति को लेकर चिंतित थे तो यह पहले से बेहतर होगी. संतान से किया कोई वादा पूरा करना होगा, अन्यथा वे आपसे नाराज हो सकते हैं.

तुला राशि: आप जिस क्षेत्र में काम करते हैं, आपको उसमें अच्छी तरक्की प्राप्त होगी और धन प्राप्ति के अन्य मार्ग भी बनेंगे. आप अपने विचारों से वरिष्ठों को प्रसन्न करेंगे और बच्चे आपको कोई शुभ समाचार भी दे सकते हैं.

वृश्चिक राशि : आप अपने अटके कार्यों को पूरा करने की कोशिश करेंगे. परिजनों के साथ बैठकर आप अपने मन की कोई इच्छा व्यक्त कर सकते हैं. अगर आप काम में ढिलाई बरतेंगे तो बाद में आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है.

धनु राशि: आपके कुछ खर्चे बढ़ेंगे, लेकिन आमदनी अच्छी होने से आप आज तनाव मुक्त रहेंगे. घर में वरिष्ठ सदस्यों के साथ किसी मांगलिक कार्यक्रम की चर्चा कर सकते हैं, जिससे परिवार के सदस्य काफी खुश नजर आएंगे.

मकर राशि : आप निश्चित रूप से अपना और दूसरों का भी भला करेंगे. आज आपको किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होकर अच्छा नाम कमाने का मौका मिलेगा। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ बैठकर समय बिताने से बेहतर है कि आप अपने काम पर ध्यान दें.

कुंभ राशि: किसी दोस्त से आपको कोई अच्छी बात सुनने को मिल सकती है. यदि आप कोई संपत्ति खरीदने जा रहे हैं तो उसके चल-अचल पहलुओं की स्वतंत्र रूप से जांच कर लें. धार्मिक कार्यों में आपका मन लगेगा और धन का कुछ हिस्सा धर्मार्थ कार्यों में भी लगाएंगे.

मीन राशि : व्यापारियों को आज किसी ग्राहक या व्यापारिक पार्टी की वजह से मानसिक तनाव की स्थिति बन सकती है. वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं अन्यथा चोट लगने की आशंका बन रही है. नौकरी पेशा जातक आज ऑफिस में अपने काम से काम रखें और किसी भी तरह के विवाद से दूर रहें. लव लाइफ वाले अगर अपने पार्टनर के व्यवहार से थोड़े चिंतित हैं तो उनसे जरूर बात करेंगे. संतान पक्ष से आपको कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

पश्चिम एशिया में नई चुनौती, ईरान-इजरायल युद्ध में भारत को अपनाने होंगे कूटनीतिक विकल्प

वर्तमान परिस्थितियों को देखें तो यह पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक समय है। यदि अन्य देश भी इस संघर्ष में खेमेबाजी का शिकार होकर जुड़ते गए तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। अच्छी बात यही है कि अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है।

पा ईरान पर इजरायल के हमले और फिर ईरान की जवाबी कार्रवाई ने पश्चिम एशिया में तनाव को और भड़का दिया है। पहले इजरायल ने ईरान के परमाणु ठिकानों और विज्ञानियों को निशाना बनाया तो जवाब में ईरान ने तेल अवीव सहित कई बस्तियों पर खतरनाक हमले किए। यह हिंसक टकराव किस मोड़ पर और कब तक समाप्त होता है, उसे लेकर तो अभी कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन इतना तय है कि इसने भारतीय विदेश नीति के समक्ष एक बड़ी दुविधा उत्पन्न कर दी है। इजरायल के साथ भारत के रक्षा से लेकर तकनीक तक व्यापक हित जुड़े हुए हैं। वहीं, ईरान के साथ भारत के ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। भारत में करोड़ों शिया मुस्लिम रहते हैं और ईरान को शिया समुदाय का वैश्विक नेता माना जाता है। इसके अतिरिक्त, ईरान ऊर्जा संसाधनों से भी संपन्न है। चाबहार बंदरगाह की क्षमताओं को पूरी तरह भुनाए न जा सकने के बावजूद वह कनेक्टिविटी की एक अहम कड़ी है। इस मामले से कई और महत्वपूर्ण पहलू भी जुड़े हुए हैं। खाड़ी देशों में भारत के सामरिक, आर्थिक एवं वाणिज्यिक हित जुड़े हुए हैं। इसी कड़ी में संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक के रूप में उभरा है। कुवैत, कतर और यूएई के अलावा सऊदी अरब तेल एवं गैस के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि इन देशों में करीब 90 लाख भारतीय अपनी

आजीविका के लिए बसे हुए हैं। रेमिटेंस के जरिये वे देश के प्रति अहम आर्थिक योगदान कर रहे हैं। ऐसे में भारत के लिए यह महत्वपूर्ण होगा कि यह तनाव इन देशों तक नहीं फैले। किसी इलाके में अगर हिंसा भड़की हुई हो तो वहां से लाखों लोगों को निकालना एक कड़ी चुनौती बन जाती है। इसलिए इस हिंसक टकराव का जल्द से जल्द थमना ही उचित होगा। इस बीच ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका, ब्रिटेन या फ्रांस उसके हमलों से इजरायल को बचाने के लिए आगे आते हैं तो वह इस क्षेत्र में इन देशों के हितों को निशाना बना सकता है।परिस्थितियों को भांपते हुए भारत ने हाल में एक विवेकसम्मत बयान जारी किया। विदेश मंत्रालय ने इस टकराव पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत हालात पर नजर बनाए हुए है। दोनों पक्षों से संयम बरतने की सलाह देते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा, ह्यदोनों पक्षों को टकराव बढ़ाने से परहेज करना चाहिए। मुद्दों को सुलझाने और स्थिति को शांत करने के लिए संवाद और कूटनीति के मौजूदा चैनलों का उपयोग किया जाना चाहिए। भारत के दोनों देशों से मित्रवत संबंध हैं और वह कोई भी सहायता करने के लिए तत्पर है।ह्न इजरायल ने जिस दिन हमला किया उसी दिन प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन कर अपनी कार्रवाई से अवगत कराया। वहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इजरायल और ईरान के विदेश मंत्रियों से बात की। बहुस्तरीय मंचों पर भी भारत इस समय ईरान या इजरायल में से किसी एक पक्ष के पीछे नहीं खड़ा हुआ है। शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ द्वारा 14 जून को जारी बयान में भारत ने यही रुख अपनाया। एससीओ ने बहुत कड़े शब्दों में इजरायली हमले की निंदा की। ईरान भी एससीओ का एक सदस्य है। बयान में कहा गया कि ईरान का नागरिक बुनियादी ढांचा, जिसमें ऊर्जा एवं परिवहन सुविधाएं भी शामिल हैं, पर इजरायली हमले से कई नागरिकों की मौत हुई। यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन एवं वैश्विक शांति एवं सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कदम है। दिलचस्प बात यह रही कि एससीओ के बयान में ईरान के परमाणु कार्यक्रम का भी उल्लेख था। इस संदर्भ में उसका यही कहना था कि ऐसे मामले शांतिपूर्ण कूटनीतिक एवं राजनीतिक माध्यमों के जरिये सुलझाए जाने चाहिए। इस समय चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान, ईरान और मध्य एशियाई गणतंत्र (तुर्कमेनिस्तान को छोड़कर) एससीओ के सदस्य हैं। स्पष्ट है कि चीन और रूस ने मजबूती से ईरान का पक्ष लिया है, जबकि भारत उनके इस रुख से अपना कोई सरोकार नहीं रखना चाहता। इसीलिए विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष से कहा कि यह घटनाक्रम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए घोर चिंता का विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि तनाव को और भड़काने के बजाय जल्द से जल्द कूटनीतिक स्तर पर प्रयास किए जाएं। इस संदर्भ में विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि उसने एससीओ सदस्यों को अपने रुख से अवगत करा दिया है और एससीओ बयान पर चर्चा में भाग नहीं लिया। एससीओ के बयान में चीन और रूस का ईरान के पक्ष में झुकना उन्हें अमेरिका से इतर पाले में रखता है, क्योंकि अमेरिका खुलकर इजरायल के समर्थन में है। वास्तव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो ईरान को चेतावनी जारी की है कि या तो वह फिलहाल ठंडे बस्ते में पहुंची परमाणु मुद्दे की चर्चा से जुड़ी शर्तों को मान ले या फिर और तबाही झेलने के लिए तैयार रहे। अगर भारत की बात करें तो उसने एससीओ के बयान से तो अपना पल्ला झाड़ लिया है, लेकिन उसे दोनों पक्षों के साथ संतुलन साधने की राह में बड़ी सतर्कता से कदम रखने होंगे। जी-7 बैठक के लिए कनाडा जा रहे प्रधानमंत्री मोदी के लिए वहां यह एक कूटनीतिक कसरत सी बन जाएगी। ऐसे में बेहतर यही होगा कि वह यही रुख कायम रखें कि यह न तो युद्ध का समय है और न ही आतंकवाद का। वर्तमान परिस्थितियों को देखें तो यह पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक समय है। यदि अन्य देश भी इस संघर्ष में खेमेबाजी का शिकार होकर जुड़ते गए तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। अच्छी बात यही है कि अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है। भारत के लिए बेहतर यही होगा कि शांति एवं कूटनीतिक विकल्पों की वकालत करता रहे, लेकिन उसे खुद भी किसी भी प्रकार की स्थितियों के लिए तैयार रहना होगा।

लघु पाठ्यक्रम भी लड़कियों के लिए रोजगार पाने का साधन बन सकते हैं

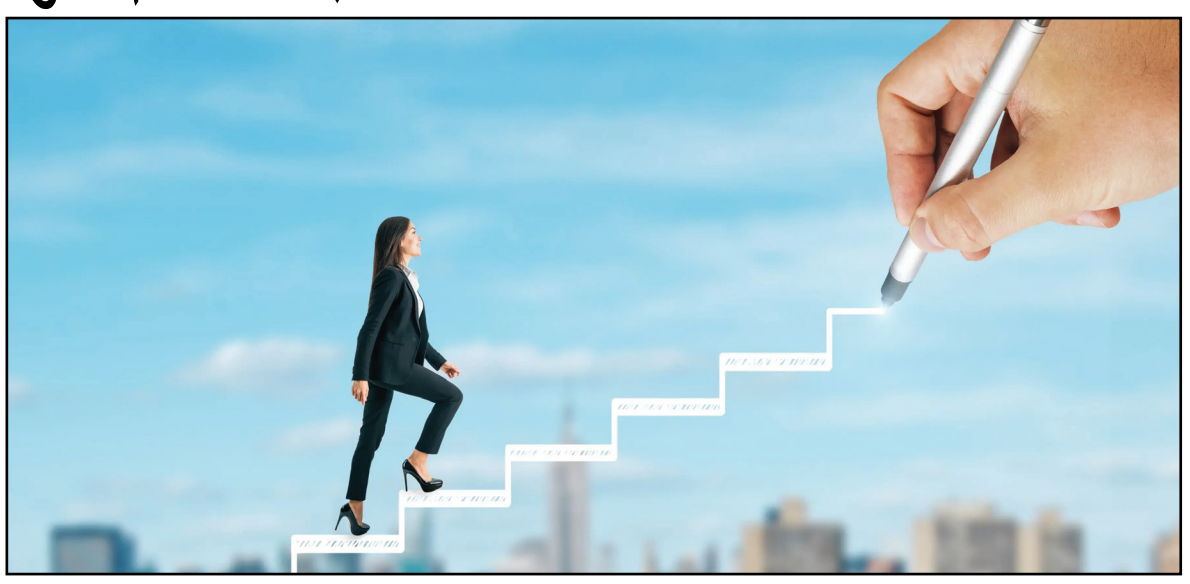

विजय गर्ग

वर्तमान युग में विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने अनेक उपयोगी खोज और आविष्कार करके हमारे जीवन को आसान और अधिक आरामदायक बना दिया है, लेकिन इसने हमें रोजगार पाने के लिए उच्च स्तरीय विज्ञान और तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए भी मजबूर कर दिया है। आज हमारे देश और राज्य में ऐसे कई डिप्लोमा और डिग्री कोर्स उपलब्ध हैं, जो हमें कम लागत और कम समय में प्रशिक्षण प्राप्त करके अच्छी आय अर्जित करने में सक्षम बनाते हैं। अब पारंपरिक कोर्स या पढ़ाई के लिए स्कूल या कॉलेज जाने का चलन कम होता जा रहा है। समय की जरूरतों की नब्ज को पहचानते हुए विभिन्न शिक्षण संस्थानों और केंद्रीय या राज्य संगठनों ने कई नए कोर्स शुरू किए हैं, जो रोजगार पाने में मददगार साबित हो सकते हैं।

बुनियादी शैक्षणिक योग्यता

अगर हम अपने आस-पास देखें तो पाएंगे कि तीन महीने से लेकर एक साल की अवधि वाले कई तकनीकी डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स उपलब्ध हैं, जो हमें रोजगार दिलाने में काफी मददगार साबित हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, कंप्यूटर हार्डवेयर, डिजिटल मार्केटिंग, वेब डिजाइनिंग, ग्राफिक्स डिजाइनिंग, वेब डेवलपर, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, कंटेंट राइटिंग और कॉपी राइटिंग आदि कई कोर्स ऑफलाइन या ऑनलाइन मार्केट में आसानी से उपलब्ध हैं, जो हमें जल्दी रोजगार दिला सकते हैं। सबसे खास बात यह है कि उपरोक्त कोर्स करने के लिए किसी बड़ी बेसिक शैक्षणिक योग्यता या बहुत अधिक अंकों की आवश्यकता नहीं होती है।

आप आत्मनिर्भर बन सकते हैं.

इतना ही नहीं, अगर आप अपने टेक्नोलॉजी स्किल्स को बढ़ाने के इच्छुक हैं, तो आपके लिए भी बाजार में बहुत कुछ है। उदाहरण के लिए, अगर आप चाहें तो कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग, मोबाइल रिपेयरिंग कोर्स, इलेक्ट्रिसिटी कोर्स, रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर रिपेयर कोर्स और सोलर पैनल इंस्टॉलेशन कोर्स करके रोजगार पा सकते हैं और आत्मनिर्भर बन सकते हैं। याद रखें कि कोई भी सरकार देश या राज्य के सभी शिक्षित या प्रशिक्षित युवाओं को सरकारी नौकरी कभी नहीं दे सकती, इसलिए स्वरोजगार के जरिए आत्मनिर्भर बनाने वाले कम खर्च वाले और कम अवधि के कोर्स करके हम आत्मनिर्भर बन सकते हैं और बेरोजगारी की पीड़ा से बच सकते हैं।

व्यक्तिगत देखभाल और सौंदर्य उद्योग

अगर आपकी रुचि पर्सनल केयर और ब्यूटी इंडस्ट्री में है, तो इस क्षेत्र में भी आपके लिए कई कोर्स उपलब्ध हैं। आप ब्यूटी थेरेपी कोर्स, नेल आर्ट कोर्स, मेहंदी कोर्स, मेकअप आर्टिस्ट कोर्स, हेयर स्टाइलिंग कोर्स, स्पा थेरेपी कोर्स, हेल्थ एंड फिटनेस कोर्स या फिजियोथेरेपी में ट्रेनिंग ले सकते हैं और हेल्थ एंड ब्यूटी इंडस्ट्री में काम करके अपनी आय बढ़ा सकते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कुछ अन्य कोर्स भी हैं, जैसे योगा ट्रेनिंग, फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स और न्यूट्रिशन एंड डाइटीशियन कोर्स आदि। पंजाब सरकार ने योग प्रशिक्षकों की सरकारी भर्ती भी शुरू कर दी है।

पाक कला पाठ्यक्रम

कुकिंग कोर्स अपने आप में एक अलग ही जगह रखते हैं। भारत में मध्यम वर्ग की बड़ी आबादी होने के कारण फास्ट फूड एक बड़े उद्योग की तरह विकसित हो रहा है। चूंकि मध्यम वर्ग का आर्थिक स्तर अच्छा है, इसलिए इस वर्ग के लोग बाजार का खाना पसंद करते हैं। यह बाजार का खाना टिफिन फूड, ढाबा फूड, रेस्तरां फूड या होटल फूड आदि के रूप में हो सकता है। स्ट्रीट फूड भारत में सबसे लोकप्रिय खाद्य उद्योग है। एक अच्छा कुकिंग कोर्स करके आप किसी अच्छे ढाबे, रेस्टोरेंट या होटल में शेफ की नौकरी पा सकते हैं या फिर घर बैठे अपना खुद का टिफिन बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

विदेश जाने में सहायक

लब्बोलुआब यह है कि उपरोक्त सभी कोर्स न केवल आपको शिक्षित करते हैं बल्कि सुरक्षित भविष्य के लिए आपका सहारा भी बन सकते हैं। उपरोक्त कोर्स करके आप बिना कोई बड़ा निवेश किए घर बैठे नौकरी पा सकते हैं।

याद रखें कि वर्तमान और भविष्य का युग मैनुअल स्किल्स का है और सबसे अच्छी बात यह है कि ये सभी कोर्स विदेश जाने पर भी हमारे लिए मददगार साबित हो सकते हैं, लेकिन शर्त यह है कि ये कोर्स किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से और पूरी ईमानदारी और मेहनत से किए गए हों।

प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्ष : माता अहिल्याबाई होल्कर के स्वप्नों को साकार करती सरकार

(नेहा बग्गा)

पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से लेकर 2025 तक के 11 वर्षों में भारत में महिला सशक्तिकरण को एक नई दिशा, गति और व्यापकता मिली है। उनके शासन में न केवल महिलाओं के लिए योजनाएं बनाई गईं, बल्कि उन्हें नीति निर्माण, प्रशासन, खेल और समाज के हर क्षेत्र में भागीदारी देने का प्रयास भी किया गया। यह शासन शैली देवी अहिल्याबाई होल्कर जैसी दूरदृष्टि और न्यायप्रियता से प्रेरित लगती है - जिनका प्रशासन महिला कल्याण, सामाजिक न्याय और सेवा भावना का प्रतीक था।

महिला आरक्षण,निर्णय जो इतिहास बना

2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) मोदी सरकार का ऐतिहासिक कदम रहा। इस कानून के अंतर्गत लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान किया गया। इस निर्णय ने दशकों से लंबित एक मांग को पूरा किया और लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी को सशक्त बनाने का सार्थक प्रयास किया।

महिला कल्याणकारी योजनाएं और उनका प्रभाव

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में अनेक योजनाएं शुरू की गईं, जिनका सीधा लाभ महिलाओं को मिला।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ - बालिकाओं के अस्तित्व और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए यह अभियान 2015 में शुरू हुआ। इससे लिंगानुपात में सुधार और बालिका शिक्षा में वृद्धि देखी गई।

उज्ज्वला योजना - गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गए। इससे उनके स्वास्थ्य और समय की बचत हुई।जन धन योजना - महिलाओं को वित्तीय समावेशन के तहत बैंक खाते मिले, जिससे वे आर्थिक रुप से मजबूत हुईं।

सुकन्या समृद्धि योजना- बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एक उच्च ब्याज दर वाली बचत योजना बनाई गयी जिसके परिणाम भी अब दिखाई देने लगे हैं।

मातृत्व वंदना योजना - इस योजना के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य लाभ के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है।जिससे वे स्वयं स्वस्थ रहते हुए स्वस्थ संतान को जन्म दे सकें।

सेवा और प्रशासन में महिलाओं की भागीदारी- मोदी सरकार ने नौकरशाही, सैन्य सेवाओं और पुलिस बलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई है। अग्निपथ योजना के तहत महिलाओं को भी सैन्य सेवाओं में अवसर दिया गया। सीआरपीएफ और बीएसएफ में महिला बटालियनों की तैनाती की गई। मिशन कर्मयोगी के माध्यम से महिला अधिकारियों को प्रशासनिक कौशल में प्रशिक्षण और उन्नति के अवसर मिल रहे हैं। कई राज्यों में महिला पुलिस स्टेशन, महिला हेल्पलाइन और फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन महिला सुरक्षा के उद्देश्य से किया गया है।

खेलों में महिला शक्ति का उदय- प्रधानमंत्री मोदी ने खेलों में भी महिलाओं को प्रोत्साहित किया और उन्हें नारी शक्ति का प्रतीक कहा। मीराबाई चानू, पीवी सिंधु, साक्षी मलिक, लवलीना बोरगोहेन के साथ-साथ नई पीढ़ी की कई महिला खिलाड़ि?यों को हर मंच से सराहना मिली और उन्हें समर्थन मिला। खेलो इंडिया और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम के तहत महिला खिलाड़ि?यों को आर्थिक मदद, प्रशिक्षण और विश्वस्तरीय संसाधन प्रदान किए गए।

देवी अहिल्याबाई की परंपरा का विस्तार- अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में नारी सम्मान, जनहित और धर्मनिष्ठ सेवा को सर्वोपरि रखा। उन्होंने न केवल मंदिरों व सड़कों व धर्मशालाओं का निर्माण किया

प्रयागराज स्टेशन से ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत 02 नाबालिक लड़कियों को चाइल्ड लाइन के सुपुर्द किया गया

भारत संवाद

आज दिनांक 16.06.2025 को रेलवे सुरक्षा बल/प्रयागराज जंक्शन के उप निरीक्षक गौरव को प्रयागराज जंक्शन पर गस्ट के दौरान प्लेटफार्म संख्या -1 पर फुट ओवर ब्रिज की नीचे, 2 नाबालिक लड़कियां बैंच पर पिट्ठू बैग के साथ सोते हुए मिली । उप निरीक्षक गौरव ने ह्यऑपरेशन मेरी सहेलीह्ल में तैनात महिला कांस्टेबल अंजू देवी को बुलाकर पूछताछ कराने पर लड़कियों ने बताया कि वह दोनों बहनें हैं । दोनों लड़कियों ने अपनी उम्र 16 वर्ष एवं 17 वर्ष बतायी एवं निवास -मेरठ बताया, इनमें से 16 वर्षीय लड़की दिव्यांग होना भी बताया। लड़कियों ने बताया कि वह जॉब ढूंढने व स्कूल में एडमिशन लेने के लिए घर से निकली हैं । पुनः गहनता से पूछताछ करने पर बताया कि दूर के भैया के दोस्त हमें बनारस जाने के लिए प्रयागराज जंक्शन पर छोड़कर चले गए । हम लॉग बनारस पहुंचकर विश्वनाथ मंदिर में रुककर उनका इंतजार करेंगे और कुछ दिन बाद संपर्क करने पर वह हमें जॉब दिला देंगे । लड़कियां दूर के भैया का नाम पता नहीं बता पायीं ।रेलवे सुरक्षा बल/प्रयागराज ने दोनों लड़कियों को अगली कार्यवाई के लिए चाइल्ड लाइन, प्रयागराज के सुपुर्द कर दिया ।

शिक्षा सेवा चयन आयोग ने टी0जी0टी परीक्षा 30 व 31जुलाई 2025को कराने का दिया आश्वासन

17 जून 2025 को लोक सेवा आयोग पर गरजेंगे प्रतियोगी -अनिल सिंह

भारत संवाद

प्रयागराज 16/06/2025 उ०प्र०शिक्षा सेवा चयन आयोग पर टी०जी०टी० परीक्षा की स्थिति स्पष्ट करने को लेकर युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष एड०अनिल सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में प्रतियोगी छात्रों ने जमकर हंगामा काटा प्रतियोगी की जिद थी की आयोग की अध्यक्ष से ही वार्ता होगी लेकिन अध्यक्ष लखनऊ में थी ऐसे में परीक्षा नियंत्रक देवेन्द्र प्रताप सिंह से लगभग 2बजे काफी गहमागहमी के बाद वार्ता के क्रम में उन्होंने बताया कि 30 व 31 जुलाई 2025 को टी०जी०टी०की परीक्षा कराने को लेकर शासन से सहमति के लिए अध्यक्ष गयी हैं शासन से अनुमति मिलते ही परीक्षा सम्बन्धी नोटिस अध्यक्ष के आते ही जारी कर दी जाएगी वहीं पी जी टी की परीक्षा को लेकर अगस्त के अंतिम सप्ताह में हर हाल में परीक्षा कराने की बात कही गई युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने परीक्षा नियंत्रक देवेन्द्र प्रताप सिंह से परीक्षा की तिथियों में बार - बार बदलाव को लेकर नाराजगी भी जताई तो उन्होंने स्पष्ट बताया कि हमारी तैयारी पूरी है परीक्षा हर हाल में करा लूंगा सितम्बर में टी०ई०टी० का भी विज्ञापन करने की तैयारी में है सब कुछ ठीक रहा तो टीजीटी-पीजीटी व असिस्टेंट प्रोफेसर का नया विज्ञापन नवम्बर में जारी हो जाएगा आयोग बहुत तेजी के कार्य कर रहा है असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा का मूल्यांकन गठित कमेटी की निगरानी में शुरू होने जा रहा है जो भी संदिग्ध पाया जाएगा उसे बक्सा नहीं जाएगा ।

प्रतियोगी छात्र प्रतिनिधि मंडल के शीतला प्रसाद ओझा ने जी०आई०सी० एल० टी०, प्रवक्ता,खण्ड शिक्षा अधिकारी, राजकीय डिग्री कालेजों के रिक्त पदों पर तत्काल विज्ञापन जारी करने को लेकर कल यानी मंगलवार को उ०प्र०लोक सेवा आयोग पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया है उन्होंने का कि आठ वर्षों से विज्ञापन न आने के कारण लाखों प्रतियोगी ओवर एज हो गये है ऐसे में कम से कम 3 वर्ष की उम्र सीमा में छूट दी जाए तथा पी सी एस सहित सभी परीक्षाओं की अंतिम उत्तर कुंजी के साथ प्रत्येक प्रतियोगियों के प्राप्त अंक भी जारी किया जाए जिससे पारदर्शिता बनी रहे लोक सेवा आयोग की मनमानी नहीं चलेगी इस अवसर पर प्रभाकर सिंह परिहार, बी एम भरद्वाज, अमित पांडेय, अंबरीष शुक्ल, सत्य प्रकाश सिंह, रिश्ते कुमार सिंह, राम जी सिंह, के डी वर्मा, दीपक, अशोक, पवन, विनय, अंकित, हर्ष, महेश, ओम प्रकाश यादव सहित सैकड़ों अभ्यर्थी सामिल रहे।

फास्ट ट्रैक

थाना को0देहात पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना को0देहात पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः16.06.2025 को उप-निरीक्षक तेरसू सिंह यादव व आशुतोष शुक्ला मय पुलिस टीम द्वारा 02 नफर वारण्टी 1.राजू पुत्र सीताराम निवासी जमुनहिया थाना को0देहात जनपद मीरजापुर व 2.दीपक कुमार बिन्द पुत्र स्व0मनीलाल बिन्द निवासी टीकापुर थाना को0देहात जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

थाना चिल्ह पुलिस द्वारा 10-10 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मावरिष्ठपुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री में संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः16.06.2025 को उप-निरीक्षक फूलचन्द्र यादव व जय प्रकाश यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना चिल्ह क्षेत्र से 02 नफर अभियुक्तों 1.रविन्द्र पुत्र गेना निवासी रानी चौकिया थाना पड़री जनपद मीरजापुर व 2.कृष्ण कुमार पुत्र स्व0भुक्खड़ निवासी गड़गेड़ी थाना चिल्ह जनपद मीरजापुर को 10-10 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना चिल्ह पर मु0अ0सं0-150/2025 व 151/2025 अन्तर्गत धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई ।

नाजरेथ अस्पताल में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन

भारत संवाद

प्रयागराज, नाजरेथ अस्पताल, प्रयागराज ने इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन (ाड।) के सहयोग से एक दिवसीय रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया। यह शिविर अस्पताल परिसर में 16 जून को प्रातः 9:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि फादर वाल्टर डि सिल्वा, सेंट जोसेफ कालेज के प्रधानाचार्य व विशिष्ट अतिथि डॉक्टर अशोक अग्रवाल चेयरमैन एएमए तथा कई अन्य अतिथियों ने सहभागिता दर्ज की।इस अवसर पर नाजरेथ अस्पताल डाक्टर्स, नर्सस व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मानव सेवा की इस पुण्य कार्य में अपने रक्तदान से योगदान दिया। मेट्रन सिस्टर मोन्सी, सहायक निदेशक फादर मेल्विन, फादर जोएल, फादर बाबू, डा. ओमर हसन, डा. एस के सिंह, डा. निशांत निगम, डा. मीतू अग्रवाल, डा. वृन्दा, डा. आर के सिंह, डा. सचिन, सेंट जोसेफ कालेज के प्रधानाचार्य फादर वाल्टर व सेंट अन्थोनी कालेज की प्रधानाचार्य सिस्टर बेसी ने भी रक्तदान कर सबको प्रेरित किया। रक्तदान शिविर का उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना और जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि एक यूनिट रक्त तीन लोगों की जान बचा सकता है, और यह निःशुल्क, सुरक्षित तथा शरीर के लिए लाभदायक भी होता है ।इस अवसर पर नाजरेथ अस्पताल के निदेशक फादर विपिन डि सोजा ने सभी रक्तदाताओं और आयोजन टीम का आभार व्यक्त किया और कहा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन होते रहेंगे ।शिविर में युवाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी ने विशेष उत्साह पैदा किया।रक्तदान शिविर में लगभग 100 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जिसे विभिन्न जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए सुरक्षित रूप से संग्रहीत किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने लगाया जनता दर्शन कार्यक्रम

हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव किया जायेगा निदानः श्री केशव प्रसाद मौर्य

- जन समस्याओं के समाधान हेतु तय की जाय, जवाबदेही

भारत संवाद

लखनऊः उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने कैम्प कार्यालय 7- कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय और समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि उत्पीड़न , भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो?, कठोर कार्यवाही की जाय। उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार -बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।

जनता दर्शन में भूमि विवाद ,दुर्घटनाओं से संबंधित ,अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, , भूमि पर कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने,सड़क बनवाने, विद्युत, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, उत्पीड़न, सेवा सम्बन्धी प्रकरण पैमाइस कराने, पार्क सौन्दर्यीकरण, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, अनुदान, सीसी रोड, आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक- एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे संवाद करते हुए सुना ।जमीन सम्बन्धी अधिकांश प्रकरणों में उन्होंने सम्बन्धित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वह राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजा जाय और सार्थक समाधान कराया जाय।उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने समस्याओं के निस्तारण के बावत सुल्तानपुर, मिजार्पुर रायबरेली,ललितपुर व मैनपुरी के जिलाधिकारी, अमरोहा, जालौन, बदायुं,इटावा व रामपुर के पुलिस अधीक्षक, वाराणसी के पुलिस कमिश्नर व शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता करते हुए यथोचित दिशा निर्देश दिए।

जनपद न्यायालय परिसर में स्थित दुकानो की होगी नीलामी, इच्छुक व्यक्ति करे आवेदन

भारत संवाद

मीरजापुर 16 जून 2025- मा0 जनपद न्यायालय परिसर में स्थित दुकानो की नीलामी की जानी है।दुकान संख्या-1/1/ए, एवं 1/बी, दुकान संख्या-2 एवं 2ए पूड़ी, मिठाई, नमकीन, दुकान संख्या-3 पान, चाय, बिस्कुट व नमकीन, दुकान संख्या-5 पान, चाय, बिस्कुट व नमकीन, दुकान संख्या-10 पान, चाय, बिस्कुट व नमकीन दुकान संख्या-13 फोटो स्टेट आदि दुकानो के लिये नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति बोली में भाग लेकर दुकान प्राप्त कर सकते हैं। उक्त आशय की जानकारी देते हुये श्री अध्यक्ष नीलामी कमेटी /अपर सत्र न्यायाधीश विनय आर्या के द्वारा बताया गया कि उपरोक्त दुकानो की नीलामी की जानी हैं। इस दुकान हेतु इच्छुक व्यक्ति 19 जून 2025 तक दोपीर 01 बजे तक नजारत अनुभाग में जमा कर सकते है तथा दुकानो की नीमाली 20 जून 2025 को दोपहर 10 बजे जनपद न्यायालय मीरजापुर स्थित मीटिंग में होगी। नीलामी प्रक्रिया के सम्बन्ध में सामान्य शर्ते व अन्य जानकारी केन्द्रीय नाजिर, जनपद न्यायालय मीरजापुर से किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय के दौरान प्राप्त की जा सकती हैं।

रेलवे यात्रा में रियायत प्राप्त करने के इच्छुक दिव्यांगजन विभागीय पोर्टल पर करें ऑनलाइन आवेदन

भारत संवाद

भारत सरकार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर रेलवे यात्रा में रियायत प्रदान की जाती है। भारतीय रेलवे, रेल मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजन को रेलवे में यात्रा हेतु रियायत प्रमाण पत्र विभागीय पोर्टल https://divyangjanid.indianrail.gov.inपर ऑनलाइन जारी किये जाते हैं। रेलवे यात्रा में रियायत प्राप्त करने के इच्छुक दिव्यांगजन घर बैठे उक्त पोर्टल में अपना दिव्यांगता प्रमाण पत्र, जिला चिकित्सालय (कॉल्विन हॉस्पिटल) से जारी रेलवे रियायती प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं भारत सरकार द्वारा अधिसूचित कोई पहचान पत्र यथा-पैन कार्ड/पासपोर्ट/जन्म प्रमाण पत्र आदि एवं पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ अपलोड करते हुए उक्त पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन पत्र पूर्ण करना सुनिश्चित करें। यह जानकारी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी श्री अशोक कुमार गौतम ने दी है।

दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्ति/संस्था राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु आवेदन पत्र 25 जुलाई तक करें जमा

03 दिसम्बर, 2025 को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। निर्धारित श्रेणी अंतर्गत दक्ष दिव्यांग कर्मचारी/स्वनियोजित दिव्यांगजन, दिव्यांगजन हेतु सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता तथा सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी के लिए सेवायोजकों को, दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति तथा सर्वश्रेष्ठ संस्था, प्रेरणास्रोत हेतु, दिव्यांगजन के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान या उत्पाद विकास, दिव्यांगजन हेतु बाधामुक्त वातावरण के सृजन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य, दिव्यांगजन को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग वयस्क व्यक्तियों एवं सर्वश्रेष्ठ बालक/बालिका, सर्वश्रेष्ठ ब्रेलप्रेस, दिव्यांगजन के लिए सर्वोत्तम अनुकूल वेबसाइट, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाडियों एवं दिव्यांगजन के सशक्तीकरण हेतु कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकते है। राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली-2017 के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी एवं आवदेन पत्र का प्रारूप विभागीय वेबसाइट http://uphwd.gov.in से डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है। इच्छुक व्यक्तियों/संस्थाओं को अवगत कराना है कि उक्त श्रेणी अंतर्गत निर्धारित आवेदन पत्र पूर्ण कर दो प्रतियों में दिनांक 25 जुलाई, 2025 तक विकास भवन, प्रयागराज में कक्ष संख्या-13 स्थित अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। यह जानकारी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी श्री अशोक कुमार गौतम ने दी है।

श्री जे0 सी0 चौरसिया ने किया उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य इंजीनियर का पदभार ग्रहण

भारत संवाद

दिनाँक 16.06.2025 को भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 1990 बैच के अधिकारी श्री जे0 सी0 चौरसिया ने उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य इंजीनियर का पदभार ग्रहण किया, इससे पूर्व श्री चौरसिया मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण/आर0एस0पी0 उत्तर मध्य रेलवे के पद पर कार्यरत थे। श्री जे0 सी0 चौरसिया ने अपनी पहली रेल सेवा सोनपुर डिवीजन, पूर्वोत्तर रेलवे से शुरू की। इसके बाद ये पूर्व मध्य रेलवे में वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/समस्तीपुर, दानापुर एवं सोनपुर तथा सेन्ट्रल रेलवे, मुम्बई में मुख्य इंजीनियर/टी0पी एवं मुख्य इंजीनियर/निर्माण जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे हैं।श्री चौरसिया एडवांस्ड मैनेजमेण्ट के प्रशिक्षण हेतु सिंगापुर, मलेशिया एवं अमेरिका भी जा चुके हैं।

अब नहीं होना होगा परेशान जलकल विभाग नगर निगम की गाड़ी घर घर जाकर करेगी सेप्टिक टैंक की सफाई, महापौर गणेश केसरवानी

भारत संवाद

दिन सोमवार को महापौर गणेश केसरवानी जी द्वारा बक्शी बांध दारागंज में 18 लाख रुपए की लागत से मोबाइल FSSM डी वाटरिंग वाहन एवं लाइम स्टे विलाइजेशन यूनिट के संचालन एवं रखरखाव हेतु टीन सेट का लोकार्पण किया, जिसके द्वारा नगर में जिनके भी घर अभी सेप्टिक टैंक से आच्छादित है उनके घर डोर टू डोर गाड़ी जाकर वही पर सेप्टिक टैंक का स्लज सक्शन करके ट्रीटमेंट का प्रक्रिया करते हुए प्लांट पर स्लज का निस्तारण किया जाएगा । महापौर ने इस अवसर पर क्षेत्र वासियों को बधाई दी और कहा कि इससे नगर वासियों को बहुत बड़ा लाभ होगा जिसके द्वारा अब उन्हें घर बैठे अपने घर का सेप्टिक टैंक सफाई कराने में सुविधा होगी , महापौर ने कहा इस परियोजना से मोबाइल ऋररट डी वाटरिंग वाहन एवं लाइम स्टे विलाइजेशन यूनिट के संचालन से नगर की स्वच्छता में सुधार होगा, इससे नगर वासियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा और वे स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम होंगे, टीन सेट निर्माण कार्य से इस योजना से जुड़ी गाड़ियों के रख रखाव में भी मदद मिलेगी और नगर के विकास में भी योगदान होगा ।

इस कार्य से क्षेत्र के विकास में भी मदद मिलेगी ।

इस अवसर पर उपस्थित क्षेत्रीय नागरिकों ने माननीय महापौर जी के प्रति आभार प्रकट किया और कहा दारागंज में लगातार नगर निगम आपके नेतृत्व में विकास कर रहा है आगे भी विकास करता रहेगा। इस अवसर पर माननीय पार्षद गण विनय मिश्रा सिंटू, आशीष द्विवेदी, प्रीति गुप्ता, सुप्रिया राजेश निषाद, अनुपम पांडेय, महा प्रबंधक जलकल विभाग कुमार गौरव, अधिशासी अभियंता संघ भूषण, नोडल अधिकारी प्रदीप यादव, अवर अभियंता दीपक यादव, अवर अभियंता जेबा, भरत निषाद, सुभाष वैश्य, यश विक्रम त्रिपाठी, शिव मनोरथ शुक्ला, मुकेश शुक्ला राजेश पाठक मनीष केसरवानी आदि क्षेत्रीय नागरिक गण उपस्थित रहे ।

भेंटवार्ता

रुद्राक्ष का पौधा भेंट कर दिया हरियाली संवर्द्धन, पर्यावरण संरक्षण और सेवा का शुभ संदेश

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और 14 वें राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी की सौहार्दपूर्ण भेंटवार्ता

- यमुना जी को स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त करने, पर्यावरण संरक्षण, युवा पीढ़ी में संस्कारों का संरक्षण व संवर्द्धन हेतु विशद् चर्चा

भारत संवाद

नई दिल्ली, ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और भारत के 14वें राष्ट्रपति, श्री रामनाथ कोविंद जी से दिल्ली में एक सौहार्दपूर्ण भेंटवार्ता हुई। यह भेंटवार्ता विचारों, मूल्यों और राष्ट्रनिर्माण हेतु प्रतिबद्धताओं की एक समर्पित संवाद वार्ता थी। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने इस अवसर पर श्री कोविंद जी को हिमालय की हरित भेंट स्वरूप एक रुद्राक्ष का पौधा भेंट किया, जो पर्यावरण संरक्षण, हरियाली संवर्द्धन और पर्यावरण सेवा चेतना का प्रतीक है। इस भेंटवार्ता के दौरान यमुना जी की स्वच्छता, जल प्रदूषण की रोकथाम, पर्यावरण संरक्षण और युवाओं में संस्कारों के पुनरोत्थान जैसे विविध विषयों पर गहन चर्चा हुई। स्वामी जी ने कहा कि आज के युग में केवल भौतिक शिक्षा ही पर्याप्त नहीं है, अपितु संस्कारों और संस्कृति की शिक्षा को भी उतनी ही प्राथमिकता देना होगा। श्री रामनाथ कोविंद जी ने भी पर्यावरणीय चुनौतियों और सामाजिक उत्तरदायित्वों को लेकर अपनी गहरी चिंता और प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं में नैतिक मूल्यों के समावेश और नदियों के संरक्षण हेतु चल रहे प्रयासों की सराहना की। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने बताया कि माननीय 14वें राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी अपने संवैधानिक कार्यकाल की निवृति के पश्चात भी पूर्ण रूप से राष्ट्रसेवा में संलग्न हैं। वे न केवल सामाजिक सरोकारों से जुड़े हैं, बल्कि शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों के प्रचार-प्रसार हेतु भी निरंतर सक्रिय हैं। स्वामी जी ने कहा कि श्री कोविंद जी का जीवन भारतीय संस्कृति, अनुशासन और कर्तव्यपरायणता का जीवंत उदाहरण है। उनका मानना है कि शिक्षा के साथ यदि संस्कार न हों तो वह अधूरी है। बच्चों को अगर शुरू से ही पर्यावरण, सेवा, करुणा और संस्कृति के सुसंस्कार मिले तो वे न केवल अच्छे नागरिक बनेंगे, बल्कि राष्ट्र के लिए अमूल्य धरोहर सिद्ध होंगे। स्वामी जी ने कहा कि पूरा कोविंद परिवार भारतीय संस्कृति और आदर्शों का प्रतीक है। उनके जीवन में शालीनता, सेवा और सादगी का जो मेल है, वह आज के युग के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र के प्रथम नागरिक का जीवन स्वयं अनुकरणीय हो, तो वह देश की जनता के लिए मार्गदर्शन बन जाता है।

स्वामी जी ने कहा कि आज परिवारों में संस्कारों की नितांत आवश्यकता है। यदि हम अपनी नई पीढ़ी को ज्ञान के साथ-साथ करुणा, सह-अस्तित्व, सेवा और संयम जैसे जीवनमूल्य दें, तो हम एक सशक्त, समर्पित और संवेदनशील भारत का निर्माण कर सकते हैं।

स्वामी जी ने कहा कि आज का युग विज्ञान, तकनीक और सूचना की तीव्र गति का युग है। बच्चों और युवाओं के पास ज्ञान, अवसर और संसाधन तो बहुत हैं, परंतु यदि उनके भीतर मूल्य नहीं हैं, तो ये सारी प्रगति खोखली सिद्ध हो सकती है। ऐसे में संस्कार ही वह आधार हैं जो किसी भी व्यक्ति को अच्छा मानव, उत्तरदायी नागरिक और संवेदनशील समाजसेवी बनाते हैं।

संस्कारों से व्यक्ति में करुणा, संयम, सेवा, सह-अस्तित्व और आत्मअनुशासन का विकास होता है। वे उसे केवल ष्सफलष् नहीं बल्कि सार्थक जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। आज जब परिवार छोटे हो रहे हैं, और डिजिटल संस्कृति तेजी से बच्चों की सोच को प्रभावित कर रही है, तब अच्छे संस्कार ही उन्हें सही और गलत का भेद सिखा सकते हैं।

"One Day CM Yuva Capacity Building का आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न

भारत संवाद

दिनांक 16 जून 2025 को जिला पंचायत सभागार, प्रयागराज में "One Day CM Yuva Capacity Building Programme"का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देना, उनके कौशल का विकास करना एवं नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त श्रीमती जयश्री ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं को आत्मनिर्भर बनने, स्वरोजगार के अवसरों का लाभ उठाने तथा सरकार की योजनाओं का सक्रिय रूप से हिस्सा बनने हेतु प्रेरित किया इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में LDM (लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर), जिला समन्वयक, तथा अन्य विभागीय अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने युवाओं को बैंकिंग, वित्तीय साक्षरता, स्वरोजगार, स्टार्टअप्स और सरकारी योजनाओं जैसे पीएम स्वनिधि, मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया आदि की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन और प्रशिक्षण मुख्यालय से आई हुई विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया। टीम ने विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए जिनमें नेतृत्व विकास, संवाद कौशल, टीमवर्क, सरकारी योजनाओं की कार्यप्रणाली, डिजिटल साक्षरता और करियर मार्गदर्शन प्रमुख रहे। प्रशिक्षण के दौरान संवादात्मक गतिविधियाँ, प्रश्नोत्तरी और समूह चर्चा के माध्यम से प्रतिभागियों को सक्रिय रूप से सम्मिलित किया गया। कार्यक्रम में प्रयागराज जनपद के दर्जनों युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को अत्यंत लाभकारी एवं जानकारीवर्धक बताया। कार्यक्रम के समापन पर सहभागियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए ।यह कार्यक्रम युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रभावशाली पहल रही, जिससे उनमें आत्मविश्वास, जागरूकता और भविष्य निर्माण की प्रेरणा मिली।

सीएम युवा एवं लॉन्ड्री लीजेण्ड के माध्यम से इकाई स्थापना के लिए करें आवेदन

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत नवाचार आधारित परियोजना-लॉन्ड्री उद्योग को बढ़ावा देने के लिए इसे लॉन्ड्री लीजेण्ड के माध्यम लाभान्वित किया जाना है। संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेन्द्र कुमार ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि सीएम युवा अभियान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जिलेवार लक्ष्यों का आवंटन किया जा चुका है एवं 90 दिवस के ऐक्शन प्लान के अन्तर्गत प्रथम तिमाही में सम्पूर्ण प्रदेश से 50,000 ऋण स्वीकृति व इसके सापेक्ष 40,000 ऋण वितरण का लक्ष्य प्रत्येक दशा में प्राप्त किया जाना है। मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा इस योजना के अन्तर्गत इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स स्थापित कराये जाने पर विशेष बल दिया गया है। इस क्रम में लक्ष्यों की पूर्ति व इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स लगाये जाने के लिए ऐसी संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित करते हुये संयुक्त प्रयासों के साथ कार्यवाही किये जाने की आवश्यकता है, जिनके द्वारा नवाचार परक परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मेसर्स लॉन्ड्री लेजेंड जो कि लाइव लॉन्ड्री अर्थात कपड़े धुलने और सुखाने व उसे प्रेस करने की सुविधा देती है, और वर्तमान समय में प्रदेश के कई शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 20 से अधिक स्टोर स्थापित कर इन्हें सुचारू रूप से संचालित कर रही है। कम्पनी द्वारा सीएम युवा योजना के अन्तर्गत प्रदेश के बहुतायत शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उक्त लॉन्ड्री उद्योग को नवाचार के रूप में स्थापित करने के लिए सीएम युवा मिशन से जुड़ने का प्रस्ताव मिशन कार्यालय में दिया गया है। उन्होंने जनपदवासियों से आव्हान किया है कि यदि वह लॉन्ड्री व्यवसाय में स्वराजगार के लिए इकाई स्थापना के इच्छुक हैं तो मेसर्स लॉन्ड्री लेजेन्ड के फॉउन्डर सीईओ विकास सिंह (मो0नं0-9455199999) एवं उनके माध्यम से उनकी कम्पनी के प्रतिनिधियों से सम्पर्क स्थापित कर सीएम युवा योजनान्तर्गत इस नवाचार परक परियोजना से जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित कर सकते हैं।

सफाई कर्मियों का धरना आठवें दिन भी नगर निगम में जारी

भारत संवाद

सहारनपुर। नगर निगम प्रांगण में आज आठवें दिन भी उत्तर प्रदेशीय सफाई मजदूर संघ व अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के बैनर तले सफाई कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन जारी रहा। महापौर महोदय जी के साथ वार्ता के बाद भी नगर निगम प्रशासन कर्मचारियों की मांगों का निस्तारण करने को तैयार नहीं है। ऐसा लगता है कि नगर निगम प्रशासन निरंकुश हो गया है। धरने पर मौजूद बृजमोहन चनालिया, चेतन चनयाने और राजकुमार बिरला ने कहा कि जिस नगर निगम में मा0 महापौर के आदेशों की अवहेलना अधिकारियों द्वारा की जा रही है, उस नगर निगम में सफाई कर्मचारियों का शोषण किस स्तर पर हो रहा होगा। ये किसी से छुपा नहीं है। जो कर्मचारी दलगत भावना और अधिकारियों के नजदीकी है, वो आज भी 65 से 70वर्ष के होने के बावजूद आउटसोर्सिस कर्मचारी के रूप में शहरी आजीविका केन्द्र से 50 हजार रुपए तक वेतन प्राप्त कर रहे हैं। दूसरी तरफ जो सफाई कर्मचारी अपना खून पसीना बहाकर नगर निगम सहारनपुर की सफाई कर नगर को चमकाने का काम करते हैं। इसके बावजूद भी बिना नोटिस दिये नगर निगम से निकाल दिया गया है। ऐसे में सफाई संगठनों को और सफाई कर्मचारियों को अपने भविष्य के बारे में नये सिरे से रणनीति बनानी होगी। मनमोहन सूद, वरदान घावरी ने कहा कि मा0 उच्च न्यायालय के अधिवक्ता श्री आर.पी.सिंह यू.पी.सरकार को बताया कि यदि आउट सोर्सिंग कर्मचारियों को 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त माना जायेगा तो आउटसोर्सिंग कर्मचारी समान काम समान वेतन के हकदार होंगे। और वे स्थायी होने के भी हकदार होंगे। यदि अतिशीघ्र नगर निगम प्रशासन ने मांगे पूरी नहीं की तो अग्रिम आंदोलन के बारे में पुनः रणनीति बनायी जायेगी।

धरने पर रोहित प्रधान, सुनील घाघट, प्रीतम सिंह प्रेमी, राजकुमार बिरला, बृजमोहन सूद, मनमोहन सूद, आशीष महरौल, अविनाश बिरला, वरदान घावरी, सोनू सुपरवाइजर, आशीष, आशू बिरला, श्रीमती कमलेश, राजकुमार जालौन, श्रीमती कविता देवी, श्रीमती राधा देवी, कान्ता देवी, श्यामो, कुलदीप हंस, महेन्द्र बेदी, श्रीमती गीता, कमल किशोर चंचल, श्रीमती सरला, रतन, नाथीराम, ईश्वर सिंह, तौसीफ, आदि भारी संख्या में मौजूद रहे।

फास्ट ट्रैक

पुलिस मुठभेड में शातिर बदमाश गिरफ्तार

भारत संवाद

सहारनपुर। देहात कोतवाली प्रभारी कपिल देव सिंह की पुलिस टीम के साथ हुई मुठभेड़ में घायल अवस्था में गिरफ्तार राशिद पुत्र महबूब निवासी ग्राम पिकी शातिर गैंगस्टर बदमाश के कब्जे से 1 तमंचा 315 बोर, 03 जिंदा व 01 खोखा कारतूस 315 बोर व 1 मोटर साइकिल स्पलेन्डर प्लस बिना नम्बर प्लेट बरामद बरामद हुई हैं। अवगत कराना है कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर के निर्देशन में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण हेतु वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी व गैंगस्टर, गौकशी, अन्य घटनाओं की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के दौरान देहात कोतवाली थाना प्रभारी कपिल देव की पुलिस टीम में शामिल चैकी प्रभारी पुवारका के ग्राम आसनवाली के पास रजवाहे की पुलिया पर चैकिंग कर रहे थे तभी 2 व्यक्ति बिना नम्बर प्लेट की मोटरसाइकिल पर ग्राम पीकी की तरफ से आते दिखाई दिये, जिन्हे पुलिस टीम द्वारा रुकने का ईशारा किया गया तो वह मोटर साइकिल मोडकर ग्राम पीकी के जंगल वाले रास्ते की तरफ भागने लगे पुलिस टीम द्वारा बदमाशों का पीछा किया गया कुछ दुरी पर जाकर मोटरसाइकिल अनियन्त्रित होकर गिरगई बदमाशो ने पीछा कर रही पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए खेतो की तरफ दौड़ लगा दी पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई। घायल अवस्था मे गिरफ्तार बदमाश की पहचान राशिद पुत्र महबूब निवासी ग्राम पीकी थाना कोतवाली देहात जनपद सहारनपुर के रुप मे हुई।

टांडा-बांदा हाईवे पर दो ट्रकों की भिड़ंत

एक ट्रक के कंडक्टर की मौत, पुलिस ने वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारु कराया

सुलतानपुर, टांडा-बांदा हाईवे पर दो ट्रकों की आपस में भिड़ंत हो गई। हादसे में एक ट्रक खलासी की मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य करते शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मचा है। टांडा-बांदा हाईवे पर सेमरी मोड़ कटका के पास यह हादसा हुआ है। यहां ट्रक नंबर यूपी 71 वीटी 3186 और एचआर 73 वी 8584 की आमने सामने भिड़ंत हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक नंबर एचआर 73 वी 8584 के खलासी को गंभीर चोटे आई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा शव पुलिस ने तत्काल खलासी को राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सनी प्रजापति (18) पुत्र शीतला प्रजापति के रूप में हुई है। वो लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के समहुत कला का निवासी है।

मेडिकल कॉलेज में तोड़फोड़

ईएमओ की शिकायत पर केस दर्ज, इलाज में कथित लापरवाही से मरीज की हुई थी मौत

सुलतानपुर, राजकीय मेडिकल कॉलेज में सर्पदंश के शिकार युवक की इलाज में कथित लापरवाही से मौत हो गई। डॉक्टरों के प्रति परिजनों का गुस्सा फूटा और उन्होंने तोड़फोड़ कर हंगामा काटा। अंत में राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने एकला चलो की राह अपनाया। ईएमओ से तहरीर दिलाकर केस तो दर्ज करवा दिया लेकिन जिन स्वास्थ्य कर्मियों पर लापरवाही पर आरोप लगे उन पर कार्रवाई करना उन्होंने मुनासिब नहीं समझा। यह है पूरा मामला दरअस्ल अयोध्या जिले के बीकापुर के चौरे बाजार शिवम 21 वर्ष को रविवार दोपहर सांप ने काट लिया। परिजन उसे पहले कूरेभार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए मरीज को सुल्तानपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मृतक के भाई के अनुसार, इमरजेंसी में एक डॉक्टर ने इंजेक्शन लगाया और चले गए।

कांग्रेस की जमीनी मजबूती के लिए नई पहल

सुल्तानपुर में कोऑर्डिनेटर्स वार्ड स्तर पर कर रहे जनता से संवाद, दिया जा रहा दायित्व

सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी ने जमीनी स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत करने का अभियान शुरू किया है। पार्टी ने पूरे प्रदेश में कोऑर्डिनेटर्स नियुक्त किए हैं। ये कोऑर्डिनेटर्स वार्ड स्तर पर जाकर जनता से सीधा संवाद कर रहे हैं। सुल्तानपुर नगर के वार्ड नंबर 9 में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई।

मुख्यमंत्री जी द्वारा अम्बेडकरनगर में आयोजित कार्यक्रम के तहत मृख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजनान्तर्गत 11,690 आश्रित परिवारो को 561.86 करोड़ सहायता राशि का किया गया वितरण

उपरोक्त कार्यक्रम का विकास भवन में आयोजित कार्यक्रम के तहत किया गया सजीव प्रसारण

भारत संवाद

- मा0 जनप्रतिनिधिगण व जिलाधिकारी के द्वारा जनपद के 108 कृषकों के 124 आश्रितो 5,28,25,000 (पांच करोड़ अठाइस लाख पच्चीस हजार) कृषक दुर्घटना बीमा व 20 छात्र-छात्राओं को टेबलेट का किया गया वितरण

मीरजापुर - प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज जनपद अम्बेडकरनगर में आयोजित भव्य समारोह/जनसभा के दौरान मा0 मुख्यमंत्री कृषक दुघर्टना कल्याण योजना के अन्तर्गत 11690 आश्रित परिवारो को 561.86 करोड़ सहायता राशि का वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम का जनपद मीरजापुर मुख्यालय के विकास भवन एवं तहसीलो में मा0 जनप्रतिनिधिगण एवं उक्त योजना के लाभार्थी की उपस्थिति में सजीव प्रसारण दिखाया गया। इस अवसर पर मा0 सदस्य विधान परिषद श्री श्याम नरायण सिंह उर्फ विनीत सिंह, मा0 विधायक नगर श्री रत्नाकर मिश्र, मा0 विधायक छानबे श्रीमती रिंकी कोल, अध्यक्ष जिला पंचायत राजू कनौजिया, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन एवं जिला अध्यक्ष अपना दल एस इंजीनियर राम लौटन बिन्द, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मीरजापुर श्याम सुन्दर केसरी सहित अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहें। जनपद मुख्यालय सहित सभी तहसीलो में आयोजित कार्यक्रम के तहत कुल 108 कृषको के 124 आश्रितों को कुल रू0 5,28,25,000/- (पांच करोड़ अठाइस लाख पच्चीस हजार मात्र) की धनराशि का वितरण मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजनान्तर्गत वितरित किया गया। जिला मुख्यालय के विकास भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजनान्तर्गत 59 लाभार्थियो को चेक वितरण तथा 20 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रो को मा0 जनप्रतिनिधिगण एवं उक्त योजना के लाभार्थी की उपस्थिति में सजीव प्रसारण दिखाया गया। इस अवसर पर मा0 सदस्य विधान परिषद श्री श्याम नरायण सिंह उर्फ विनीत सिंह, मा0 विधायक नगर श्री रत्नाकर मिश्र, मा0 विधायक छानबे श्रीमती रिंकी कोल, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन एवं जिला अध्यक्ष अपना दल एस इंजीनियर राम लौटन बिन्द सहित अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगण के प्रतिनिधियों के द्वारा वितरित किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मा0 विधायक नगर ने बताया कि मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व वाली लोकप्रिय सरकार द्वारा मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना कार्यक्रम को लागू कर दुघर्टनाग्रस्त कृषक परिवारों के सहायतार्थ अच्छा कदम उठाया हैं। उन्होंने कहा कि किसानो की दुर्घटना से होने वाली आर्थिक कठिनाईयो से राहत दिलाना योजना का मुख्य उद्देश्य है।

मा0 सदस्य विधान परिषद ने कहा कि कृषको के दुर्घटना होने पर आश्रित परिवार को काफी कठिनाईयां उठानी पड़ती थी, उनके आश्रित परिवारो के जीवनयापन को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से डबल इंजन की सरकार के द्वारा इस योजना के अन्तर्गत दुर्घटना में

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत 561.86 करोड़ की सहायता राशि का हुआ ऑनलाइन अंतरण

जिले में 103 लाभार्थी परिवारों को मिली 4.94 करोड़ की सहायता राशि

- जनप्रतिनिधियों ने सहायता राशि का सदुपयोग करने का किया आह्वान

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने जिला अम्बेडकर नगर में आयोजित कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत राज्य के 11690 प्रभावित परिवारों को 561.86 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता राशि का ऑनलाइन अंतरण लाभार्थियों के बैंक खातों में किया। इस दौरान उन्होंने 1184 करोड़ की धनराशि के लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। इस योजना के अंतर्गत जिले के भी 103 लाभार्थी परिवारों को कुल 4 करोड़ 94 लाख 50 हजार रुपये की धनराशि प्राप्त हुई है।कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित कोल तहसील के कार्यक्रम में जिलाधिकारी संजीव रंजन ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के अंतर्गत सभी तहसीलों में मा0 जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में सजीव प्रसारण कर चयनित 103 पात्र परिवारों को मुख्यमंत्री जी द्वारा स्वीकृत सहायता राशि उनके बैंक खातों में सीधे भेजी गई है। यह योजना प्रदेश सरकार की किसान हितैषी सोच और जनकल्याण की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है, जिसके माध्यम से कृषक परिवारों को आकस्मिक दुर्घटनाओं के समय तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। डीएम ने बताया कि योजना संचालन से अब तक जिले में 1483 प्रभावित परिवारों को 72 करोड़ 45 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है।

जिलाधिकारी संजीव रंजन ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि शेष पात्र कृषक परिवारों के दावे त्वरित निस्तारित कर शासन को भेजे जाएं, ताकि कोई भी पात्र लाभ से वंचित न रह जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत कृषक की मृत्यु अथवा दिव्यांगता पर 1.25 लाख रुपए से 05 लाख रुपए तक की सहायता राशि प्रदान की जाती है।

सड़क निर्माण में बाधा बन रहे रैम्प जेसीबी से ध्वस्त किए

नगर निगम ने जनसुनवाई व आईजीआरएस पोर्टल पर आयी शिकायतों पर भी की कार्रवाई

भारत संवाद

सहारनपुर। नगर निगम ने आज वार्ड 38 में सड़क निर्माण में बाधा बन रहे दो रैम्प को प्रवर्तन दल ने जेसीबी से ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा जनसुनवाई में आयी शिकायतों पर भी कार्रवाई की गयी तथा आईजीआरएस पोर्टल की शिकायतों पर जांच कर चेतावनी दी गयी।

वार्ड 38 घड़ी मलूक में नगर निगम द्वारा एक सड़क का निर्माण कराया जा रहा है लेकिन दो घरों के रैम्प सड़क निर्माण में बाधा बन रहे थे। इस पर आज नगरायुक्त के निर्देश पर निगम के प्रवर्तन दल ने दोनों रैम्प को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन दल प्रभारी कर्नल एच बी गुरुंग, सम्पत्ति सुरक्षा अधिकारी हरिप्रकाश कसाना व निर्माण विभाग के जेई मदनपाल के प्रवर्तन दल की पूरी टीम मौजूद रही।

जनसुनवाई में आयी शिकायत पर जामा मस्जिद के सामने तीन सब्जी वालों की दुकानों का अतिक्रमण हटाया गया। तीनों दुकानदारों ने सड़क पर अवैध रुप से थले लगाकर अतिक्रमण कर रखा था। मोरगंज में नाले पर बनी दुकानों को लेकर आईजीआरएस पोर्टल पर आयी शिकायत की भी प्रवर्तन दल ने जांच की और दुकानदारों को अपनी दुकानों से सम्बंधित कागज लेकर निगम बुलाया गया। बेहट अड्डे पर एक दुकानदार द्वारा अवैध रुप से बनायी गयी दीवार पर भी दुकानदार को स्वयं अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गयी।

व्यापारी मिले डीएम से समस्याएं बतायी

भारत संवाद

सहारनपुर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से जिला अध्यक्ष जयवीर राणा के नेतृत्व में मुलाकात की जिला अध्यक्ष जयवीर राणा ने उनके समक्ष कस्बा गागा लेहडी में नालों की सफाई ना होने के कारण व्यापारियों की दुकानों में पानी भर जाता है इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया साथ ही उन्होंने कहा गागा लेहडी से देवबंद रोड पर इंडियन पेट्रोल पंप के पास बना नाला अधूरा पड़ा है जिससे पानी की निकासी नहीं हो पाती है यह एक गंभीर समस्या है इस नाले को पूरा कराया जाए जिससे गंभीर समस्या से व्यापारियों को आम जनमानस को राहत मिले। कस्बे में बने सामुदायिक शौचालय में कावड़ यात्रा के दौरान एक सफाई कर्मचारी की ड्यूटी लगाई जाए इन तमाम बिंदुओं से जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराया जिलाधिकारी महोदय द्वारा आश्वासन दिया गया सभी बिंदुओं का संज्ञान लेकर कार्य शुरू कराया जाएगा ह्वइस अवसर पर गंगा लेडी व्यापार मंडल के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा महेंद्र राकेश नावेद पुंडीरबालेश्वर गुप्ता सत्य प्रकाश शर्मा जनेश्वर प्रसाद पवन आदि व्यापारिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एनजीटी के नाम पर डेरी संचालकों का शोषण बर्दाश्त नहीं: संजय वालिया

भारत संवाद

सहारनपुर। एनजीटी के नाम पर डेरी संचालकों के हो रहे शोषण के खिलाफ आज डेयरी संचालक संघर्ष समिति के अध्यक्ष संजय वालिया के नेतृत्व में डेयरी संचालको ने नगर निगम का पुतला फूंककर अपना विरोध जताया और अनावश्यक उत्पीड़न के खिलाफ 25 जून को नगर निगम पर गाय भैंसों के साथ प्रदर्शन करने की घोषणा थी।

आज संघर्ष समिति के अध्यक्ष संजय वालिया के नेतृत्व में डेयरी संचालकों ने हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी कर नगर निगम का पुतला फूंका। इस दौरान संघर्ष समिति के अध्यक्ष संजय वालिया ने ने कहा कि नगर निगम एनजीटी के नाम पर दूध बेचने वाले डेयरी संचालको आर्थिक मानसिक शोषण कर रहा है जिस कारण उन्हें आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि 6 वर्ष पूर्व भी इसी प्रकार डेयरी संचालकों का शोषण किया जा रहा था उनके आंदोलन के बाद नगर निगम द्वारा जगह उपलब्ध कराए जाने का आश्वासन दिया गया था जो आज तक भी उपलब्ध नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा कि वह लोग शहर से बाहर जाने को तैयार है लेकिन उनके लिए पहले व्यवस्था की जाए अन्यथा वह लोग शहर से बाहर नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि एनजीटी के नाम पर केवल उनका ही शोषण किया जा रहा है जबकि बड़ी-बड़ी फैक्ट्री में एनजीटी के नियमों का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब डेयरी संचालक उन उद्योगों के बाहर प्रदर्शन करेंगे जो एनजीटी के नियमों के अवहेलना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 25 जून से पहले उनकी समस्याओं का निराकरण न किया गया तो 25 जून को गाय भैंस के साथ नगर निगम कार्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत जनपद के कुल 165 पात्र लाभार्थियों को कुल- 8 करोड़ 6 लाख का चेक किया गया वितरित

भारत संवाद

सुलतानपुर ,मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत पात्र लाभार्थियों को चेक वितरण कार्यक्रम मा0 सदस्य विधान परिषद श्री शैलेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता, मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत ऊषा सिंह, मा0 विधायक सदर प्रतिनिधि, जिलाधिकारी कुमार हर्ष, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) गौरव शुक्ला की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट नवीन सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0 द्वारा जनपद अम्बेडकर नगर से ह्यमुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजनाह्य के अन्तर्गत प्रदेश के 11,690 आश्रित परिवारों को 561.86 करोड़ की सहायता राशि का चेक वितरण किया गया, जिसका जनपद स्तरीय कार्यक्रम/समस्त तहसीलों में आयोजित कार्यक्रम में एलईडी डिस्प्ले के माध्यम से सजीव प्रसारण देखा व सुना गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा मा0 विधान परिषद सदस्य, अपर जिलाधिकारी महोदय द्वारा मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत

व एसडीएम सदर द्वारा मा0 विधायक सदर प्रतिनिधि का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। जनपद सुलतानपुर में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत कुल 165 पात्र लाभार्थियों को कुल- 8 करोड़ 6 लाख का चेक जिला स्तरीय/तहसील स्तरीय कार्यक्रमों में मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा वितरित किया गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम में मा0 सदस्य विधान परिषद, मा0 अध्यक्ष, जिला पंचायत व जिलाधिकारी महोदय द्वारा संयुक्त रूप से उचित पात्र लाभार्थियों- जगपति ग्राम इसरौली थाना कुड़वार, तहसील सदर, रूकमणि देवी ग्राम प्रतापपुर, थाना कुड़वार तहसील सदर, सूरज मिश्रा, पूनम देवी, चन्दन मिश्रा, अजीत मिश्रा (संयुक्त) ग्राम गंजेहड़ी, तहसील सदर, बबली सिंह ग्राम उतुरी तहसील सदर, सुनीता देवी अलहदादपुर, तहसील सदर, रेखा देवी ग्राम धरौली, तहसील सदर, अमरावती, राजन पाण्डेय (संयुक्त) ग्राम फूलपुर, तहसील सदर सहित कुल-32 पात्र लाभार्थियों को मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत प्रत्येक को पॉच-पॉच लाख रुपए का चेक वितरित किया गया। कार्यक्रम में मा0 विधान परिषद सदस्य द्वारा अपने सम्बोधन में मा0 मुख्यमंत्री जी, उ0प्र0 का उक्त योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को चेक वितरित किये जाने पर आभार व्यक्त किया गया।

कहीं कोई अनियमितता नहीं हुई: महापौर

कुछ लोग अपने स्वार्थ में अफवाहें फैलाकर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं

भारत संवाद

सहारनपुर। नगर निगम में 19 सफाई कर्मियों की कथित नियुक्ति पर महापौर डॉ. अजय कुमार के स्पष्ट बयान ने चल रही गहमा गहमी पर विराम लगा दिया है। महापौर ने स्पष्ट कहा है कि कहीं कोई अनियमितता नहीं हुई है। कुछ लोग अपने निहित एवं राजनीतिक स्वार्थ पूरा करने के उद्देश्य से तरह-तरह की अफवाहें फैलाकर लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। महापौर ने बताया कि कुछ सफाई कर्मियों की आयु 60 वर्ष से अधिक होने के कारण उनके स्थान पर आजीविका मिशन केंद्र (सीएलसी) से 19 कर्मचारियों की आपूर्ति ली गयी थी लेकिन इस आपूर्ति में पारदर्शिता का अभाव होने के कारण उसे रुकवा दिया गया है। उन्होंने बताया कि कुछ अरसा पहले भी सीएलसी से 176 कर्मचारियों की आपूर्ति लेने का प्रयास किया गया था लेकिन तब भी उसमें पारदर्शिता न होने के कारण उनके द्वारा उस आपूर्ति को स्थगित करवा दिया गया था। जिससे स्पष्ट है कि नगर निगम किसी के प्रभाव में कोई नियुक्ति नही कर रहा है। निगम पूरी तरह हर तरह के दबाव से मुक्त है।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

रामायण कोई कहानी नहीं इतिहास है

रामायण एक आध्यात्म से जुड़ा इतिहास है इसमें भारतीय संस्कृति के अद्भुत गुण देखने को मिलते हैं और कहीं-कहीं आश्चर्यचकित कर देने वाली घटनाओं का वर्णन किया गया है।

रामायण में वर्णित रावण द्वारा श्रीलंका जाते समय पुष्पक विमान का मार्ग, उस मार्ग में कौन सा वैज्ञानिक रहस्य छिपा है। रावण ने पंचवटी (नासिक, महाराष्ट्र) से सीता का अपहरण किया और हम्पी (कर्नाटक), लेपाक्षी (आंध्र प्रदेश) के माध्यम से श्रीलंका पहुंचा। आश्चर्य होता है जब हम आधुनिक तकनीक से देखते हैं कि नासिक, हम्पी, लेपाक्षी और श्रीलंका एक सीधी रेखा में हैं। यह पंचवटी से श्रीलंका तक का सबसे छोटा मार्ग है। अब आप सोचते हैं कि उस समय कोई क्ष्धद्दद्यद्द मैप नहीं था जो सबसे छोटा रास्ता बताता हो। फिर, उस समय यह कैसे पता चला कि सबसे छोटा और सीधा मार्ग कौन सा है? या भारत के विरोधियों की संतुष्टि के लिए भी, मान लें कि रामायण केवल एक महाकाव्य है, जिसे वाल्मीकि ने लिखा था, तो मुझे बताएं कि उस समय भी कोई मानचित्र नहीं था, वाल्मीकि, जिन्होंने रामायण लिखा था, कैसे आए थे? पता है कि पंचवटी से श्रीलंका शॉर्ट कट है?

वाल्मीकि ने सीता हरण के लिए केवल उन्हीं स्थानों का उल्लेख किया है, जो पुष्पक विमान का सबसे छोटा और सबसे सीधा मार्ग था। यह ठीक उसी तरह है जैसे 500 साल पहले गोस्वामी तुलसीदास जी को पता था कि पृथ्वी से सूर्य की दूरी कितनी है? (जुग सहस्त्र योजन पर भानु= 152 मिलियन किमी - हनुमानचालीसा), जबकि नासा ने इस दूरी का पता कुछ साल पहले ही लगाया था।

पंचवटी वह स्थान है जहां श्री राम, सीता और लक्ष्मण वनवास के दौरान रहे थे। यहीं पर शूर्पणखा आई और लक्ष्मण से शादी करने के लिए उपद्रव करने लगी। लक्ष्मण को शूर्पनखा की नाक काटने के लिए मजबूर किया गया था, अर्थात हम आज इस स्थान को नासिक (महाराष्ट्र) के रूप में जानते हैं। पुष्पक विमान में, सीता ने नीचे देखा और देखा कि एक पहाड़ की चोटी पर बैठे कुछ बंदर जिज्ञासा से ऊपर की ओर देख रहे थे, सीता ने अपने वस्त्र के कोर को फाड़ दिया और अपने कंगन बांध दिए और राम को ढूंढने में मदद करने के लिए उन्हें नीचे फेंक दिया। जिस स्थान पर सीता ने इन आभूषणों को वानरों के लिए फेंका था, वह 'ऋष्यमुक पर्वत' था जो हम्पी (कर्नाटक) में वर्तमान में स्थित है। इसके बाद, वृद्ध जटायु ने रोते हुए सीता को देखा, देखा कि एक दानव एक महिला को जबरन अपने विमान में ले जा रहा था। सीता को मुक्त करने के लिए जटायु ने रावण से युद्ध किया। रावण ने जटायु के पंखों को तलवार से काट दिया। इसके बाद, जब राम और लक्ष्मण सीता को खोजने के लिए पहुंचे, तो उन्होंने पहला पता दिया कि उस स्थान का नाम 'लेपाक्षी' (आंध्र प्रदेश) है।

यह महर्षि वाल्मीकि द्वारा लिखित एक सच्चा इतिहास है। जिसके सभी वैज्ञानिक प्रमाण आज उपलब्ध हैं। इसीलिए जब भी कोई वामपंथी हमारे इतिहास, संस्कृति, साहित्य को पौराणिक कथा कहकर या खुद को विद्वान बताकर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश करता है, तो उसे पकड़कर उससे इन सवालों के जवाब मांगे। यकीन मानिए आप एक भी जवाब नहीं दे पाएंगे। इस सब में आपकी जिम्मेदारी कहां है? आपके हिस्से की जिम्मेदारी यह है कि जब आप टीवी पर रामायण देखते हैं, तो यह मत सोचिए कि कहानी चल रही है, बल्कि यह भी ध्यान रखें कि यह हमारा इतिहास है। इस दृष्टि से रामायण को देखें और समझें। इसके अलावा, हमारे बच्चों को यह दृष्टि देना आवश्यक है, यह कहते हुए कि बच्चों के लिए यह एक कहानी नहीं है, यह हमारा इतिहास है।

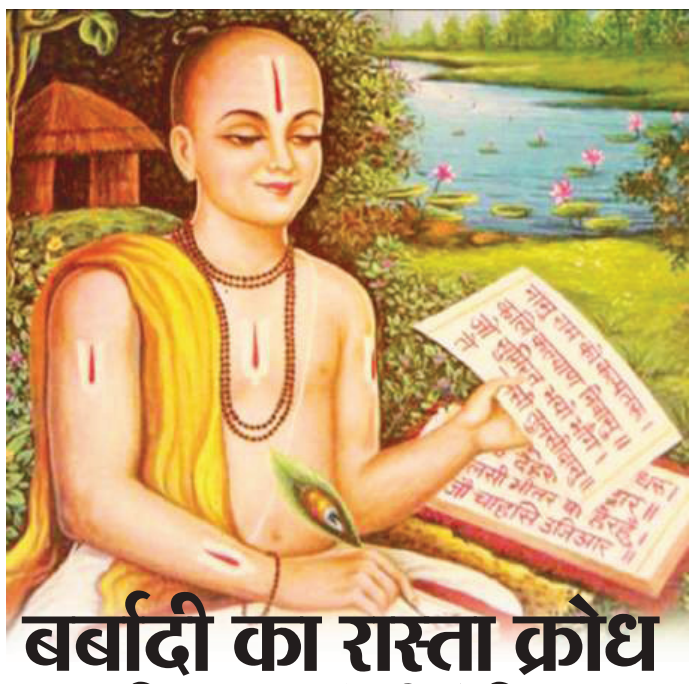

बर्बादी का रास्ता क्रोध
रामचरितमानस मे भी है जिक्र

आजकल देखा जाता है कि किसी को कभी भी बहुत जल्दी क्रोध आ जाता है। जोकि सही नहीं हैं। क्रोध के दुष्प्रभाव जीवन पर काफी बुरा पड़ता हैं। इसकी वजह से जीवन तक बर्बाद हो सकता है। कई बार गुस्से के कारण बना बनाया काम खराब हो जाता है। व्यक्ति में क्रोध आ जाए तो उसे सबसे दूर कर देता है और इंसान बिलकुल अकेला रह जाता है। तो साथ ही बता दें कि सबसे बड़े हिंदू ग्रंथ में भी इस बात का जिक्र है कि कोध्र व्यक्ति के लिए अच्छा नहीं है, क्रोध व्यक्ति के विनाश का कारण बनता है। तो आइए आपको बताते है क्रोध को लेकर रामचरितमानस मे क्या कहा गया है-

क्रुद्धः पापं न कुर्यात कः क्रृद्धो हन्यात गुरूनपि ।
क्रुद्धः परुषया वाचा नरः साधूनधिक्षिपेत
कः क्रुद्धः पापं न कुर्यात, क्रृद्धः गुरून अपि हन्यात,
क्रुद्धः नरः परुषया वाचा साधन अधिक्षिपेत ।

तुलसीदास जी ने कहा है कि जो व्यक्ति क्रोध करता है उस व्यक्ति पापकर्म अधिक करना पड़ता है। पुण्य वाले काम करने से वो काफी दूर रहता है। क्रोध में ही व्यक्ति बड़े छोटे का लिहाज नहीं करता और बड़े एवं पूज्य जनों तक को मार डालता है। साथ ही ऐसा व्यक्ति अशब्दों का अधिक उपयोग करता है और साधुजनों की भी कोई इज्जत नहीं करता। अगर व्यक्ति अपने क्रोध पर काबू नहीं पाता तो वो व्यक्ति अपने आपको बर्बाद कर देगा। क्रोध स्वास्थ्य पर भी काफी हद तक नुकसान पहुचता है। विज्ञान के अनुसार अधिक क्रोध करने से ब्लड प्रेशर काफी हद तक बढ़ जाता है। क्रोध से मनुष्य को मानसिक परेशानियां हो जाती है। क्रोध मनुष्य के जीवन को अस्त व्यस्त कर देता है। क्रोध के कारण रिश्तों में कड़वाहट आने लग जाती है। गुस्से में बोला गया हर एक शब्द सांप के जहर जैसा जहरीला होता है।

आर्थिक समस्या को दूर करने के लिए करें ये उपाय

घर में सुख सम्रद्धि धन के लिए वास्तु को बहुत खास माना जाता हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार वास्तु के उपायों को करने से घर में सकारात्मकता ऊर्जा प्रवेश करती है जबकि नकारात्मकता ऊर्जा दूर हो जाती है। साथ ही ऐसा माना जाता है कि वास्तुदोषों के कारण जीवन में कई तरह की समस्याएं आने लगती हैं जिससे मनुष्य के बनते काम बिगड़ने लगते है। काम में रूकावट आने लगती है। तो आज हम आपको बताने जा रहे है। ऐसे उपाय जिससे आपके सभी कार्य आसानी से हो जाएंगे और जीवन से सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। साथ ही धन संबंधी समस्या से भी मुक्ति मिल जाएगी। मनी प्लांट-घर में वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट में रखने से अनेक फायदे होते हैं। घर में मनी प्लांट रखने से घर की सारी नकारात्मकता ऊर्जा शक्ति दूर हो जाती है और घर का वातावरण सकारात्मक माहौल बनने लगता है। मनी प्लांट को घर में लाने से रूपए पैसे की समस्याएं भी दूर होने लगती हैं। लेकिन इसके साथ ही कुछ ऐसी बातें भी है जो ध्यान में रखना जरूरी है।

मनी प्लांट की दिशा- वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में मनी प्लांट लाने के बाद उसे दक्षिण या पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इस दिशा में रखा मनी प्लांट घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश कराता है। साथ ही मान्याताओं के अनुसार इस दिशा का कारक शुक्र ग्रह है और शुक्र ही बेल वाले पौधों का कारक भी कहा जाता है, इसलिए इस दिशा में मनी प्लांट लगाना बहुत शुभ माना जाता है।

पानी में रखें- वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को पानी में रखना शुभ माना जाता है। साथ ही इस बात का खास ध्यान रखें कि पौधे का पानी बदलते रहे,समय-समय पर।

बेल को जमीन पर न आने दें -वास्तुशास्त्र के घर में लगाए मनी प्लांट को जमीन पर न फैलने दें, इसकी बेल को ऊपर की ओर बढ़ने देना चाहिए। वो शुभ होता है।

खराब पत्ते- वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को हमेशा हरे पत्तों के साथ हरा- भरा रहना शुभ माना जाता है। अगर इसके पत्ते खराब हो रहे हैं, तो उन्हें तुरंत हटा दें।

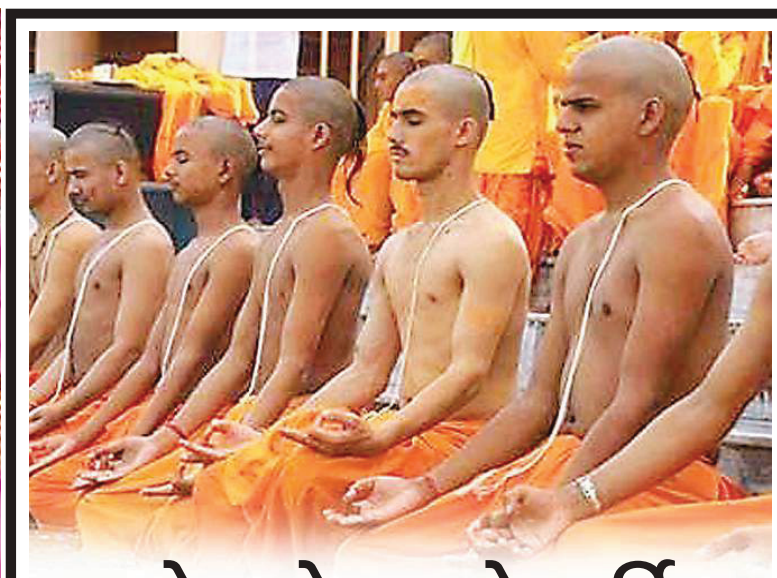

जनेऊ के जाने धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

हिंदू धार्मिक शास्त्रों में जनेऊ को बहुत पवित्र माना जाता है। साथ ही यज्ञोपवीत संस्कार का बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। बता दें कि जनेऊ संस्कार हिन्दू धर्म के प्रमुख 24 संस्कारों में से एक है। यह जनेऊ 'उपनयन संस्कार' के अंतर्गत आता है। तो वहीं हिंदू धर्म के अनुसार ये हर हिन्दू का कर्तव्य है कि, वो जनेऊ धारण करें और उसके नियमों का पालन करें। जनेऊ धारण करने के बाद ही द्विज बालक को यज्ञ तथा स्वाध्याय करने का अधिकार प्राप्त होता है।

क्या होता है जनेऊ

जेसूऊ सूत से बना एक पवित्र धागा होता है। जिसे मनुष्य बाएं कंधे के ऊपर और दाईं भुजा के नीचे पहनता है। इस जनेऊ के कई वैज्ञानिक महत्व भी है। तो आइए आपको बताते है जनेऊ के वैज्ञानिक महत्व और फायदों के बारे में

स्मरण शक्ति बेहतर- हर रोज जनेऊ कान पर रखने से स्मरण शक्ति बेहतर होती है। कान पर जेनऊ इसलिए कहा जाता है क्योंकि कान दबाव पड़ने से दिमाग की वे नसें खुल जाती हैं, जिनका संबंध स्मरण शक्ति से होता है।

रक्तचाप नियंत्रण- शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने से जो नसें दबती हैं, उनसे रक्तचाप नियंत्रण में रहता है एक स्टेडी के मुताबिक ये बात सामने आई है कि शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने का भी वैज्ञानिक आधार है, जैसा बताया गया है कि ऐसा करने से रक्तचाप नियंत्रण में रहता है।

हृदय रोग और ब्लडप्रेशर की परेशानी दूर- इस स्टेडी में ये बात भी सामने आई है कि जनेऊ पहनने वाले लोगों को हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी परेशानी खत्म हो जाती है। जनेऊ से शरीर में खून का प्रवाह सही तरीके से होता रहता है। आध्यात्मिक ही नहीं इसका वैज्ञानिक आधार भी है, जैसे रिसर्च के अनुसार बताया गया है कि जनेऊ पहनने से हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी सारी परेशानी समाप्त हो जाती है।

काला धागे बांधने के हैं फायदे बहुत

अक्सर देखा जाता हैं की घर में बच्चा जब जन्म लेता हैं तब बड़े बुजुर्ग उससे काला टीका, काला धागा लगाते पहनाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है काला धागा बांधने से कई अद्भुत फायदे भी होते है। बता दें कि ज्योतिष विज्ञान एवं लाल किताब के अनुसार काला धागे को विशेष स्थान दिया गया हैं। इन दोनों में इसे बाधंने को लेकर भी बात कहीं गई है। इसके अलावा ऐसा भी माना जाता है कि काले धागे को बांधने से सारी नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और कई अन्य फायदें भी होते है। लेकिन इन सब में एक बात का खास ध्यान रखा जाना चाहिए कि काले धागे को शरीर में पहनने से पहले क्या-क्या सावधानी बरतें।

काला धागा बांधने के फायदे

काले धागें को बांधने से व्यक्ति को किसी की बुरी नजर नहीं लगती है। साथ ही ये काली शक्तियों से भी रक्षा करता हैं। शनिदेव का संबंध भी काले रंग से ही है। शनि को काले रंग का कारक माना जाता है। इसके अलावा काले रंग का धागा पहनने से व्यक्ति की कुडली का शनि मजबूत होता है और शनि प्रदोष से भी मुक्ति मिलती है।

आर्थिक लाभ

संकटमोचन हनुमान के दिन यानी मंगलवार को काला धागा धारण करना काफी शुभ माना जाता है। इस दिन काला धागा पहनने से आर्थिक जीवन सुखी होता है। घर में धन-समृद्धि का आगमन होता है। इस दिन खासकर दाहिने पैर में काला धागा बांधना शुभ माना जाता है।

सेहत के लिए फायदेमंद

सेहत के लिहाज से भी काला धागा काफी फायदेमंद है। अगर आपके पेट में दर्द रहता है तो व्यक्ति को अपने पैर के अंगूठे में इस धागे को बांध लेना चाहिए। इसके अलावा जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है उनके लिए भी काला धागा काफी फायदेमंद है। इसे व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।

काला धागा पहनने से पहले बरतें ये सावधानियां

काले धागे को अभिमंत्रित करने के बाद ही धारण करें।
धारण करने से पहले इस बारे में किसी योग्य ज्योतिष की सलाह ले।
इस धागें को बांधने वाले व्यक्ति को रुद्र गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए।
मंत्र - ऊँ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात
शरीर के जिस हिस्से में काला धागा बांध रहे हैं वहां कोई ओर अन्य रंग का धागा न धारण करें। शनिवार के दिन काला धागा बांधना शुभ होता है।

अमेरिका में नो किंग्स रैली, गोलीबारी में 1 की मौत

मिलिट्री परेड के दौरान ट्रम्प का विरोध कर रहे थे; 2 हजार शहरों में हुआ प्रदर्शन

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका के साल्ट लेक सिटी में ₹नो किंग्स₹ नाम के एक विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा हो गई। प्रदर्शन में शामिल एक शख्स ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने की कोशिश कर रहे व्यक्ति पर हमला कर दिया।इससे राइफल लेकर खड़ा व्यक्ति और एक राहगीर दोनों घायल हो गए। बाद में अस्पताल में राहगीर की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हमला करने वाले 24 साल के युवक का नाम आटुरो गैंबोआ है। उसे शनिवार शाम हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। गोली लगने से घायल हुए राहगीर की पहचान 39 साल आर्थर फोलासा आह लू के रूप में हुई, जिनकी बाद में अस्पताल में मौत हो गई।साल्ट लेक सिटी के पुलिस प्रमुख ब्रायन रेड ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस घटना की जानकारी दी। दरअसल, वाशिंगटन में शनिवार को अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर मिलिट्री परेड का आयोजन किया गया था।इस बीच, ट्रम्प के विरोध

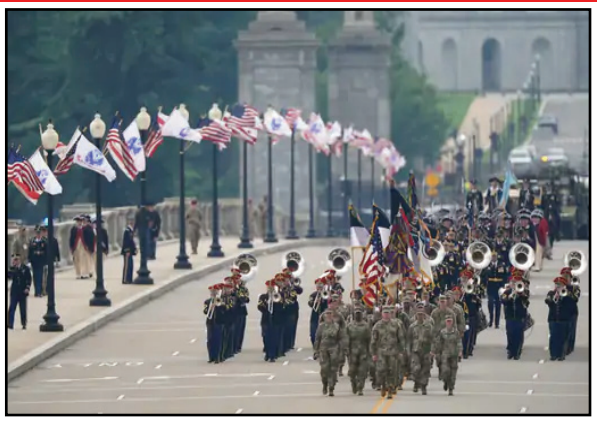

में पूरे अमेरिका में लगभग 2 हजार जगहों पर नो किंग्स (यानी अमेरिका का कोई राजा नहीं है) विरोध प्रदर्शन हुए।

वाशिंगटन में 34 साल बाद इतने बड़े पैमाने पर मिलिट्री परेड का आयोजन हुआ।

इससे पहले 1991 में ऐसा आयोजन हुआ था। इस परेड में टैंक, 6,700 सैनिक, 128 वाहन, 62 विमान शामिल हुए। इसके अलावा ड्रोन, रोबोटिक डॉग भी शामिल हुए। राष्ट्रपति ट्रम्प ने इस परेड को अमेरिकी ताकत और सैनिकों के बलिदान का प्रतीक बताया। परेड का समापन आतिशबाजी और ट्रम्प के भाषण के साथ हुआ।

इस आयोजन में करीब 25 से 45 मिलियन डॉलर (21-38 करोड़) खर्च हुए हैं। परेड कॉन्स्टिट्यूशन एवेन्यू पर हुई, जिसमें सैनिकों ने ऐतिहासिक वर्दी में मार्च किया और विश्व युद्धों से लेकर आधुनिक युद्ध तक के हथियारों का प्रदर्शन किया गया। ट्रम्प, प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प, और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने विशेष मंच से परेड देखी। इस दिन ट्रम्प का 79 जन्मदिन भी था। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी ट्रम्प को जन्मदिन की बधाई दी और अपनी शादी की सालगिरह का जिक्र किया।

पूरे अमेरिका में 14 जून को नो किंग्स नामक विरोध प्रदर्शन हुए। इस आंदोलन में लोगों ने ट्रम्प की नीतियों और तानाशाही रवैये का विरोध किया। इस आंदोलन का नाम ₹50 स्टेट्स, 50 प्रोटेस्टर्स, वन मूवमेंट₹ से प्रेरित था, जिसका मतलब है कि अमेरिका के 50 राज्यों में एक साथ विरोध प्रदर्शन। इस प्रदर्शन में करीब 2,000 शहरों और कस्बों में शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुए, जिनमें लोगों ने झंडे लहराए, भाषण दिए और नारे लगाए गए। फिलाडेल्फिया में सबसे बड़ा प्रदर्शन हुआ। हालांकि वाशिंगटन में कोई बड़ा विरोध नहीं हुआ। शिकागो, न्यूयॉर्क, और एंकोरेज जैसे शहरों में भी बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। एक प्रदर्शन के दौरान न्यूयॉर्क में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर काली मिर्च का स्प्रे इस्तेमाल किया, जबकि स्पोकेन में 30 से अधिक लोग गिरफ्तार हुए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर लॉस एंजिलिस में हिंसा जारी रही तो वे पूरे शहर में विद्रोह कानून लागू कर सकते हैं। यह कानून सरकार को हिंसा रोकने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल करने की इजाजत देता है।

कनाडा में पीएम मोदी के पहुंचने से पहले विरोध

खालिस्तानियों ने निकाला रोड शो; जी-7 समिट में होंगे शामिल, भारतीय सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

एजेंसी

जालंधर, कनाडा के कैननास्किस में सोमवार से दो दिन का जी7 समिट शुरू हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी सोमवार को कुछ ही देर में कनाडा पहुंच जाएंगे। मगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कनाडा पहुंचने से पहले खालिस्तानी संगठनों का समर्थन करने वालों ने भव्य रोड शो निकाला। रोड शो के दौरान पीएम मोदी के जी7 समिट में शामिल किए जाने का जमकर विरोध किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी के पुतले को जेलनुमा चीज में बंद कर रोड पर में लगाया गया था। साथ ही पीएम मोदी के पुतले को हथकड़ियां भी पहनाई गईं थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

के कनाडा पहुंचने से पहले ऐसा प्रदर्शन होने पर उनकी सुरक्षा को लेकर भारतीय एजेंसियों अलर्ट पर हैं। जानकारी के अनुसार कनाडा के कैलगरी प्रांत में खालिस्तान अलगाववादियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के खिलाफ ये रोड शो निकाला। कनाडाई मीडिया आउटलेट से बात करते हुए कैलगरी में गुरुद्वारा दशमेश से निकले इस काफिले का नेतृत्व खालिस्तान समर्थक मनजिंदर सिंह कर रहे थे। खालिस्तानी अलगाववादियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ गीदड़भक्की देते हुए कहा- पीएम मोदी कनाडा के दुश्मन है। खालिस्तानियों ने कहा- हम यहां पर पीएम मोदी की राजनीति को खत्म करने के लिए इकट्ठा हुए हैं। हम कनाडा को सुरक्षा बनाना चाहते हैं। साथ ही खालिस्तानियों ने भारतीय हिंदुओं को भी गलत शब्दावली बोली। खालिस्तानी अलगाववादियों ने गीदड़भक्की दी कि वह उतनी देर तक ये प्रदर्शन करेंगे, जितनी देर तक कनाडा में पीएम मोदी रहेंगे। इस दौरान खालिस्तान जिंदाबाद के नारे भी लगाए गए। कनाडा के कैननास्किस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 समिट में शामिल होंगे। पीएम मोदी के कनाडा पहुंचने से पहले सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर शिखर कनाडा पहुंच चुके हैं। पीएम मोदी साइप्रस दौरा खत्म कर कनाडा पहुंचेंगे। यहां कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के साथ पहली मुलाकात भी करेंगे। जनवरी 2025 में जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद 14 मार्च को मार्क कार्नी कनाडा के नए पीएम बने थे।

ईरान से आर्मेनिया के रास्ते लौटेंगे भारतीय छात्र

इजराइल से टकराव के बीच 1500 स्टूडेंट्स फंसे; ईरान बोला- बॉर्डर खुले, विदेशी नागरिक जा सकते हैं

एजेंसी

तेहरान/नई दिल्ली, इजराइल से लगातार चौथे दिन जारी लड़ाई के बीच ईरान ने सोमवार को विदेशी नागरिकों को देश छोड़ने की इजाजत दे दी है। सूत्रों ने बताया कि भारत ने अपने छात्रों को निकालने के लिए ईरान में आर्मेनिया के राजदूत से बात की है। छात्रों को आर्मेनिया बॉर्डर पर नॉरदुज चौकी से बसों से निकाला जाएगा। ईरान में 1,500 स्टूडेंट्स सहित लगभग 10 हजार भारतीय फंसे हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा हालात में देश के एयरपोर्ट भले ही बंद हैं, लेकिन लैंड बॉर्डर्स खुले हुए हैं। विदेशी नागरिकों को ईरान छोड़ने से पहले राजनयिक मिशनों के जरिए ईरान के जनरल प्रोटोकॉल विभाग को अपना नाम, पासपोर्ट नंबर, गाड़ी डिटेल्स, देश से निकलने का समय और जिस बॉर्डर से जाना चाहते हैं, उसकी जानकारी पहले से देनी होगी। ईरान के अलग-अलग शहरों से भारतीय छात्र आर्मेनिया से लगे नॉरदुज बॉर्डर पहुंचेंगे। यहां से इन्हें बस से आर्मेनिया के येरेवन एयरपोर्ट ले जाया जा सकता है। इसके बाद इन छात्रों को हवाई रूट से भारत लाया जाएगा। इस वक्त ईरान और इजराइल के बीच हालात काफी तनावपूर्ण हैं। कई शहरों में हमले हो चुके हैं और सुरक्षा का खतरा बना हुआ है। ऐसे में भारतीय छात्रों को सीधे ईरान से एयरलिफ्ट करना फिलहाल संभव नहीं है। ईरान में बीते 3 दिनों से जारी इजराइली हमले से हालात काफी बिगड़ गए हैं। सीएनएन के मुताबिक शहर के पेट्रोल पंपों पर कारों की लंबी-लंबी लाइनें लगने लगी हैं। लोग डरे हुए हैं और शहर छोड़कर बाहर जाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक सिर्फ तेहरान में 200 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। एक शख्स ने रॉयटर्स को बताया कि कई बार कतार में लगने के बाद भी पेट्रोल मिलना मुश्किल हो रहा है, क्योंकि ईंधन की सप्लाई सीमित है। तेहरान के

एक निवासी ने कहा कि लोगों के पास बमबारी से बचने के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं है। पूरे शहर में कोई शेल्टर नहीं है जहां लोग भागकर जान बचा सकें। बहुत से लोग उत्तर की ओर कैस्पियन सागर की ओर जा रहे हैं, जो अपेक्षाकृत शांत और दूरदराज का इलाका है, लेकिन रास्ते इतने जाम हो चुके हैं कि वहां पहुंच पाना भी मुश्किल हो गया है। इजराइल ने रविवार को चेतावनी दी थी कि जो लोग हथियार बनाने वाले इलाकों के पास रहते हैं, वे तुरंत वहां से निकल जाएं क्योंकि खतरा और बढ़ सकता है।

पाकिस्तानी डॉन पर भड़की इन्फ्लुएंसर सुरलीन

कहा- सिखों की बेटियों पर करता है गलत टिप्पणी, एक साल से मेरे साथ लड़ रहा

एजेंसी

लुधियाना, पंजाब में इन्फ्लुएंसर को लगातार कट्टरपंथी निशाने पर ले रहे है। इस बीच पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी भी कंचन की हत्या के बाद अमृतपाल मेंहरों के हक में वीडियो पोस्ट कर रहा है कि वह उसके साथ है। अब शहजाद भट्टी पर इन्फ्लुएंसर सुरलीन कौर ने निशाना साधा है। सुरलीन ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए कहा- पाकिस्तान का शहजाद भट्टी खच्च (घटिया) बंदा है, जो एक साल से मेरे साथ लड़

रहा है। उसने मेरे खिलाफ वीडियो भी पोस्ट की थी। सुरलीन ने कहा कि वह अकेली ही उसके साथ लड़ रही थी और सिखों के लिए कोई भी लड़की खड़ी नहीं हुई थी। लेकिन इन लोगों ने फोटो लगाकर बहुत गलत किया। अब उस शहजाद भट्टी ने वीडियो जारी कर कहा कि वह अमृतपाल सिंह मेहरू के साथ है। सुरलीन ने वीडियो में भट्टी की एक क्लिप दिखाई है। जिसमें उसने भट्टी को पोल खोलते हुए सभी लोगों के ध्यान से इस क्लिप को सुनने के लिए कहा है। सुरलीन ने वीडियो में कहा कि सुनें कि किस तरह शहजाद भट्टी सिख लड़कियों के खिलाफ गलत शब्दावली का इस्तेमाल कर रहा है और सिख लड़कियों को मुस्लिम बनाने की बात करता सुनाई दे रहा है। हालांकि इस क्लिप की दैनिक भास्कर पुष्टि नहीं करता। बता दें कि पिछले कुछ समय से भट्टी द्वारा पंजाब के लोगों के प्रति आपत्तिजनक बयान सामने आ रहे है। इससे पहले भट्टी का जालंधर के इन्फ्लुएंसर रोजर संधू के साथ विवाद भी हुआ था। उस दौरान रोजर संधू ने भी भट्टी पर हिंदू और सिख धर्म के खिलाफ भट्टी पर आपत्तिजनक बयान देने के आरोप लगाए थे। जिसके बाद दोनों में विवाद इतना बढ़ गया था कि भट्टी ने रोजर के घर पर ग्रेनेड अटैक करवाकर उसकी जिम्मेदारी ली थी।

यूपी में बिजली गिरने से 25 लोगों की मौत

सीएम योगी ने राहत के आदेश दिए, गोंडा में भी दो लोगों की गयी जान

एजेंसी

15 जून- पिछले 48 घंटों में उत्तर प्रदेश के 14 जिलों में तेज आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें से कई लोग अपने दैनिक कामों के दौरान बाहर फंसे हुए थे। बिजली गिरने से होने वाली मौतों की सूचना ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से मिली, जहां कमजोर आबादी खेती, आवागमन या घरेलू कामों में लगी हुई थी। अधिकारियों ने अभी तक जिलेवार विस्तृत जानकारी जारी नहीं की है, लेकिन सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर और रायबरेली शामिल हैं।

15 जून- पिछले 48 घंटों में उत्तर प्रदेश के 14 जिलों में तेज आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें से कई लोग अपने दैनिक कामों के दौरान बाहर फंसे हुए थे।

गोंडा में अलग-अलग जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत

गोंडा जिले में सोमवार को अलग-अलग जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि सदर तहसील क्षेत्र के दत्तनगर बिसेन निवासी कुणाल शर्मा (20) आज सुबह जब घर के पास हैंडपंप से पानी लेने गया था तो आकाशीय बिजली की चपेट में आने से वह झुलस गया।परिजन उसे तुरंत गोंडा मेडिकल कॉलेज ले गए जहां चिकित्सकों ने कुणाल को मृत घोषित कर दिया। शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम में आकाशीय बिजली गिरने के कारण मौत की पुष्टि हुई है। जिलाधिकारी ने बताया कि एक अन्य घटना में ग्राम काजीदेवर में आकाशीय बिजली गिरने के कारण रामदेव यादव (46) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सरकार के निदेर्शानुसार दोनों मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों की दुखद मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है और अधिकारियों को निर्देश दिया है कि:मृतकों के परिवारों को तत्काल वित्तीय मुआवजा प्रदान करें।नुकसान का विस्तृत सर्वेक्षण करें।यह सुनिश्चित करें कि घायल पीड़ितों को उचित चिकित्सा सुविधा मिले।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को संबंधित अधिकारियों को तूफान, बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित जिलों में राहत कार्य तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए।

इजराइल ने ईरान पर फिर एयरस्ट्राइक की

तेहरान में न्यूज चैनल की बिल्डिंग पर बम गिराए, लाइव शो कर रही एंकर बाल-बाल बची

तेल अवीव में लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी

ईजराइल के बाद अब ईरान ने भी तेल अवीव में लोगों को उनकी सुरक्षा के लिए जल्द से जल्द इलाका खाली करने की चेतावनी दी है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने तेल अवीव के लोगों के लिए एक बयान जारी किया है। इससे पहले इजराइल ने ईरानी की राजधानी तेहरान के डिस्ट्रिक्ट 3 के लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की चेतावनी दी थी। इसके कुछ समय बाद तेहरान में धमाकों की कई आवाजें सुनाई दीं।

एजेंसी

तेहरान/तेल अवीव , इजराइल और ईरान के बीच लगातार चौथे दिन संघर्ष जारी है। इजराइल ने सोमवार शाम सेंट्रल ईरान पर फिर से एयरस्ट्राइक की। इजराइल एयरफोर्स ने ईरानी की राजधानी तेहरान में देश के सरकारी न्यूज चैनल इस्लामिक रिपब्लिक

ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग की बिल्डिंग पर बम गिराए।घटना के समय टीवी एंकर लाइव शो होस्ट कर रही थी। वह बम धमाके में बाल-बाल बच गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें एंकर न्यूज पढ़ रही थी। अचानक धमाके हुआ और एंकर कुर्सी से उठकर भागी और स्टूडियो में हर तरफ मलबा गिरने लगा।इजराइल डिफेंस फोर्स ने पर ईरान पर हमले का एक और वीडियो जारी किया। कैप्शन में बताया कि आज सुबह से इजराइली एयरफोर्स ने मिसाइल लान्चर्स से लदे कई ट्रकों को निशाना बनाया, जो तेहरान की तरफ जा रहे थे।इजराइल ने रविवार रात ईरान के विदेश मंत्रालय पर हमला किया था। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए।14 जून को इजराइली सेना ने रक्षा मंत्रालय पर भी हमला किया था। पिछले चार दिनों के दौरान ईरान में 224 लोग इजराइली हमलों से मारे गए हैं।1,277 से ज्यादा घायल हैं। अमेरिका में स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स ग्रुप ने ईरान में 406 लोगों की मौत का दावा किया है।ईरान के हमले में आज 8 इजराइलियों की मौत ईरान भी लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है। सोमवार सुबह ईरानी सेना ने सेंट्रल इजराइल में कई जगहों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं।पिछले 4 दिनों के दौरान इजराइल में ईरान का यह सबसे बड़ा हमला है। ईरानी हमलों से इजराइल में अब तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं।

1. इजराइली हमले में 138 ईरानियों की मौतः रक्षा मंत्री की धमकी- तेहरान जला देंगे

2. ईरान पर फिर इजराइली एयरस्ट्राइक शुरूः दोबारा न्यूक्लियर ठिकानों पर हमले

3. ट्रम्प का दावा- ईरान और इजराइल का समझौता होगा; दोनों देशों में लड़ाई जारी

आपने लालू, पीएम मोदी, नीतीश कुमार का शासन देखा है, अब...

प्रशांत किशोर ने लोगों से जन सुराज का समर्थन करने की अपील की

मधुबनी जिले के झंझारपुर इलाके में एक सभा को संबोधित करते हुए किशोर ने कहा कि मैं वोट नहीं मांग रहा हूं...मैंने पिछले 2.5 वर्षों में पांच हजार गांवों की यात्रा की है, कई लोगों को इकट्ठा किया है और एक पार्टी 'जन सुराज' बनाई है...आपने लालू प्रसाद यादव, पीएम मोदी, नीतीश कुमार का शासन देखा है...अब बिहार में लोगों का शासन, 'जन सुराज' होना चाहिए।

एजेंसी

बिहार के लोगों से आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में राज्य में एक नए विकल्प का समर्थन करने की अपील करते हुए जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि लोगों ने लालू यादव, पीएम मोदी और नीतीश कुमार का शासन देखा है, लेकिन अब जनता का शासन होना चाहिए। मधुबनी जिले के झंझारपुर इलाके में एक सभा को संबोधित करते हुए किशोर ने कहा कि मैं वोट नहीं मांग रहा हूं...मैंने पिछले 2.5 वर्षों में पांच हजार गांवों की यात्रा की है, कई लोगों को इकट्ठा किया है और एक पार्टी 'जन सुराज' बनाई है...आपने लालू प्रसाद यादव, पीएम मोदी, नीतीश कुमार का शासन देखा है...अब बिहार में लोगों का शासन, 'जन सुराज' होना चाहिए।इससे पहले शनिवार को प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और जनता दल (यूनाइटेड) पर निशाना साधते हुए कहा कि 30 साल से उन्होंने बिहार में सिर्फ गरीबी और भ्रष्टाचार फैलाया है। उन्होंने कहा कि पिछले 30 सालों से वे सिर्फ सामाजिक न्याय का नारा देकर अपने परिवार और अपने बच्चों का भला करना चाहते हैं।

मोदी जी ने क्या चुनाव के वक्त झूठ बोला था? :केजरीवाल

अधिकारियों ने प्रतिरोध की आशंका में भारी पुलिस बल तैनात किया है और बैरिकेड्स लगा दिए हैं। चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत आज 200 से ज्यादा अवैध झुग्गियों को ध्वस्त किया जाना है। यह कार्रवाई अदालत के आदेश के तहत की जा रही है और अधिकारी इस बात पर जोर देते हैं कि पहले भी यहाँ इसी तरह के अभियान चलाए जा चुके हैं।

दिल्ली में बुलडोजर एक्शन को लेकर भड़के केजरीवाल

एजेंसी

दिल्ली के अशोक विहार इलाके में एक बड़ा ध्वस्तीकरण अभियान चल रहा है, जिसमें खास तौर पर जेलरवाला बाग इलाके में अवैध झुग्गियों को निशाना बनाया जा रहा है। अधिकारियों ने प्रतिरोध की आशंका में भारी पुलिस बल तैनात किया है और बैरिकेड्स लगा दिए हैं। चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत आज 200 से ज्यादा अवैध झुग्गियों को ध्वस्त किया जाना है। यह कार्रवाई अदालत के आदेश के तहत की जा रही है और अधिकारी इस बात पर जोर देते हैं कि पहले भी यहाँ इसी तरह के

अभियान चलाए जा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि पहले की गई ध्वस्तीकरण की कार्रवाई में विस्थापित हुए निवासियों को स्थायी डीडीए फ्लैट दिए गए थे। आज का अभियान सख्त सुरक्षा के बीच चलाया जा रहा है ताकि निकासी के दौरान कानून और व्यवस्था बनी रहे। दूसरी ओर पूरे मामले को लेकर सियासत तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी दिल्ली सरकार पर निशाना साधा रही है। दिल्ली के आप प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार के बुलडोजर का विरोध करने पर पूर्व विधायक अखिलेश पति त्रिपाठी पुलिस की हिरासत में लिए गए। भाजपा सरकार लगातार गरीबों के घरों पर बुलडोजर चला रही है।इसके बाद आप प्रमुख और दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधा है। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि आखिर बीजेपी चाहती क्या है? क्या दिल्ली की सभी झुग्गियाँ तोड़ना चाहती है? तो फिर मोदी जी ने क्या चुनाव के वक्त झूठ बोला था - जहाँ झुग्गी, वहाँ मकान?वएक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, दिल्ली पुलिस कर्मियों के साथ अर्द्धसैन्य बल की दो कंपनी मौके पर मौजूद हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कानून एवं व्यवस्था की स्थिति भंग न हो। इस महीने इलाके में यह दूसरा ध्वस्तीकरण अभियान है। दो जून को ध्वस्तीकरण अभियान के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था, अगर किसी रेलवे लाइन पर अतिक्रमण किया जाता है ।